हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 295, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 19 अप्रैल, 2023 दिन बुधवार गाजीपुर/वाराणसी

यूपी में अब कोई माफिया किसी को धमका नहीं सकता

सीएम योगी बोले- उत्तर प्रदेश पर लगे दंगे के राज्य के कलंक को हम मिटा चुके हैं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश पर लगे दंगे के राज्य के कलंक को हम मिटा चुके हैं। 2017 से पहले यूपी दंगे के लिए जाना जाता था। हर दूसरे दिन दंगा होता था। 2012 से 17 के बीच 700 से ज्यादा दंगे हुए थे। 2017 के बाद दंगे की नौबत ही नहीं आई। आज किसी जनपद के नाम से यूपी में डरने की आवश्यकता नहीं है। यूपी की पहचान के जो लोग संकट हुआ करते थे आज वह स्वयं संकट में हैं। आज कोई भी अपराधी व्यापारी को धमका नहीं सकता। उत्तर प्रदेश सरकार आप सभी निवेशकों की पूंजी को सुरक्षित रखने में सक्षम है।

सीएम योगी ने मंगलवार को पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र एवं परिधान (पीएम मित्र) योजना के अंतर्गत लखनऊ-हरदोई में एक हजार एकड़ में विस्तृत टेक्सटाइल पार्क की स्थापना को लेकर लोकभवन में आयोजित एमओयू के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान केंद्रीय वाणिज्य, उद्योग एवं कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल और केंद्रीय कपड़ा राज्य मंत्री विक्रम जरदोश मौजूद थीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पहले कहा जाता था, जहां से अंधेरा शुरू हो, वहां से उत्तर प्रदेश शुरू हो जाता है। 75 में से 71 जनपद अंधेरे में होते थे। आज ये दूर हो चुका है। आज यूपी के गांवों में स्ट्रीट लाइट्स जगमगा रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि यूपी जैसा कृषि प्रधान राज्य जहां पर एक बड़ी आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर करती है। रोजगार के दृश्य से अगर हम देखें तो वस्त्र उद्योग ही सर्वाधिक रोजगार सृजन करने वाला क्षेत्र है। यूपी में वस्त्र उद्योग की एक समृद्ध परम्परा रही है। यहां का हैंडलूम, पावरलूम, वाराणसी और आजमगढ़ की सिल्क साड़ियां, भदोही का कारपेट, लखनऊ की चिकनकारी और सहारनपुर का क्राफ्ट यह सब विश्वविख्यात रहा है। उन्होंने कहा कि कानपुर कभी वस्त्र उद्योग का केंद्र रहा है उसकी गिनती 4-5 महानगरों में होती थी।

सीएम योगी ने कहा कि यूपी न केवल अपने औद्योगीकरण के लिए बल्कि नगरीय व्यवस्था की दृष्टि से भी देश का एक महत्वपूर्ण प्रदेश माना जाता था। लेकिन एक कालखंड ऐसा भी आया जिसमें यूपी की इस पहचान को पूरी तरह समाप्त सा कर दिया था। हैंडलूम और पावरलूम को उचित प्रोत्साहन ना मिलने के कारण वह भी दम तोड़ने लगे थे। विगत 9 वर्षों के अंदर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जो प्रगति की है उसका लाभ लगभग 6 वर्ष के अंदर यूपी को सर्वाधिक मिला है।

सीएम योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की प्रगति किसी से छुपी नहीं है। उन्होंने कहा कि पीएम मित्र योजना के तहत स्थापित होने वाले टेक्सटाइल पार्क को लेकर हस्ताक्षरित हुआ यह एमओयू का कार्यक्रम भारत सरकार और राज्य सरकार के बीच पहला कार्यक्रम है। बेहतरीन कनेक्टिविटी के बीच जिन निवेशकों ने यहां रुचि दिखाई है उन्होंने देखा होगा की एयरपोर्ट से मात्रा आधे घंटे में अपने गंतव्य तक पहुंच सकते हैं। फोर लेन की कनेक्टिविटी यहां पहले से है, जहां कनेक्टिविटी नहीं है वहां हम जल्द उपलब्ध कराएंगे।

आज यूपी का चित्र और चरित्र दोनों बदला है: पीयूष गोयल- केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पीएम मोदी और सीएम योगी की जोड़ी ने उत्तर प्रदेश के लिए कल्पना से बढ़कर कार्य किया है। आज यूपी का चित्र और चरित्र दोनों बदला है। विकास कार्यों में भेदभाव क्या होता है, उत्तर प्रदेश की जनता ठीक से जानती है। 2017 के पहले तक यूपी के लोगों ने इस भेदभाव को झेला है। आज जब डबल इंजन की सरकार कार्य कर रही है तो छह वर्षों में यूपी की बदली हुई तस्वीर हम सबके सामने है। यूपी में बहुत सी सरकारें आई और गईं। सबने अपने राजनीतिक हितों को साधने का काम किया। कानून व्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर किसी भी राज्य में उद्योग लगाने की सबसे आवश्यक मांग है। उत्तर प्रदेश के विगत कुछ वर्षों में बहुत कार्य हुआ है। यही वजह है कि यूपी वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनने की ओर आगे बढ़ चुका है। उत्तर प्रदेश के ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट जैसा आयोजन कल्पना के बाहर था। देश और विदेश के निवेशक यूपी जीआईएस में होड़ लगाकर खड़े थे। यूपी जैसी प्रतिभा और मेहनत देश किसी अन्य राज्य में नहीं है। आने वाले दिनों में विकास की दिशा और यहां के लोगों की दशा बदलने वाली है।

सीएम योगी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार इस क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य कर रही है: जरदोश- केंद्रीय कपड़ा राज्य मंत्री विक्रम जरदोश ने कहा कि हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट एक हुनर है इसको ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे विश्वकर्मा का दर्जा दिया गया है। इस हुनर से सबसे ज्यादा महिलाएं जुड़ी हुई हैं। इससे जुड़कर देश और उत्तर प्रदेश की महिलाएं सशक्त हो रही हैं। सीएम योगी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार इस क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य कर रही है। सीएम योगी से हमने बहुत कुछ सीखा है। वन स्टेशन वन प्रोडक्ट का आधार यूपी की एक जिला एक उत्पाद योजना है। देश के साढ़े सात सौ स्टेशन पर हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट लगाए गए हैं। इसमें महिलाओं को प्रथमिकता दी जा रही है।

भारत के साथ मुक्त व्यापार पर बातचीत तेज करने के लिए तैयार रूस, जयशंकर से मिले रूसी उप प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध के बीच रूस अब भारत के साथ अपने रिश्ते और मजबूत करना चाहता है। इसी को देखते हुए रूस के उप प्रधानमंत्री और उद्योग तथा व्यापार मंत्री डेनिस मंटुरोव ने आज भारतीय विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से नई दिल्ली में मुलाकात की। बता दें कि जयशंकर की रूसी उप प्रधानमंत्री के साथ यह दूसरी बैठक है। 17 अप्रैल को जयशंकर और मंटुरोव ने रूसी और भारतीय व्यापार के प्रतिनिधियों के साथ भी मुलाकात की थी।

भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत- रूस-भारत व्यापार संवाद को संबोधित करते हुए मंटुरोव ने कहा, 'यूरेशियन आर्थिक आयोग के साथ मिलकर हम भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत को तेज करने की उम्मीद कर रहे हैं। मास्को व्यापार में गुणात्मक वृद्धि में रुचि रखता है। इसके अतिरिक्त, हम निवेश के संरक्षण के लिए रूस-भारत द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर करने पर काम कर रहे हैं।' बता दें कि फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और रूस-इंडिया बिजनेस काउंसिल द्वारा संयुक्त रूप से एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें मंटुरोव ने यह बयान दिया।

भारत-रूस व्यापार संवाद- जयशंकर ने भी दिल्ली में भारत-रूस व्यापार संवाद को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा,'हमने वर्ष 2025 से पहले 30 बिलियन अमरीकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को पार कर लिया है जो हमारे नेतृत्व द्वारा हमें दिया गया लक्ष्य वर्ष था। मैं समझता हूं कि व्यापार वास्तव में लगभग 45 बिलियन अमरीकी डालर का है और उम्मीद है कि यह बढ़ना जारी रहेगा।

भारत और रूस के रिश्ते- जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस को दोनों पक्षों के व्यवसायों को प्रेरित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वे भारत को 'वैश्विक विनिर्माण केंद्र' बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने भी विदेश मंत्री एस जयशंकर और मंटुरोव ने IRIGC-TEC की वर्चुअल मीटिंग की सह-अध्यक्षता की थी।

एनसीपी के साथ हूं और रहूंगा : अजित पवार

मुंबई। एनसीपी नेता अजित पवार ने बीजेपी में शामिल होने की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है। अजित पवार ने कहा कि मैं एनसीपी के साथ हूं और एनसीपी के साथ रहूंगा। अजित पवार ने एनसीपी छोड़ने की अफवाहों को खारिज किया और कहा कि मेरे बारे में फैलाई गई अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है।

मैंने किसी विधायक के नहीं लिए हस्ताक्षर- अजित पवार- एनसीपी नेता अजीत पवार ने एनसीपी छोड़ने की अफवाहों पर कहा कि मैंने किसी विधायक के हस्ताक्षर नहीं लिए हैं। अब सभी अफवाहें बंद होनी चाहिए।

शरद पवार ने अटकलों को किया था खारिज- इससे पहले शरद पवार ने भी ऐसी अटकलों को खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि किसी ने भी एनसीपी विधायकों की बैठक नहीं बुलाई है। उन्होंने मीडिया में चल रही रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा था कि इन सभी चचाओं का कोई महत्व नहीं है।

एनसीपी के साथ हैं अजित दादा- अनिल पाटिल- वहीं, एनसीपी नेता अजित पवार के बगावत की अटकलों के बीच पार्टी नेता अनिल पाटिल ने उनसे मुलाकात की। उन्होंने कहा कि आज मैंने अजित पवार से उस न्यूज के बारे में चर्चा की, जो 2-3 दिन से चल रही थी। जो न्यूज में चल रहा है, वैसा कहीं पर चर्चा नहीं हुई है। तो इसे रोकना चाहिए क्योंकि आज तक कोई चर्चा दादा और किसी और की नहीं हुई है। हम अजित दादा के साथ हैं और आगे भी रहने वाले हैं और अजित दादा एनसीपी के साथ हैं।

संजय राउत ने अटकलों को बताया था अफवाह- शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मंगलवार को कहा ये निराधार अफवाहें हैं। मैंने आज सुबह अजित पवार और अन्य एनसीपी नेताओं के साथ बात की है। अगर इस तरह की अफवाह फैलाने वालों को लगता है कि वे इस तरह की चालों का सहारा लेकर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को कमजोर कर सकते हैं, तो वे गलत हैं।

अतीक के वकील के घर के सामने फेंका गया बम, इलाके में दहशत

प्रखर प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद और अशरफ के हत्याकांड के बाद प्रयागराज से एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि अतीक अहमद के वकीलों में से एक के घर के पास मंगलवार को एक गली में देसी बम फेंका गया। इस घटना से लोगों में दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है कि दहशत फैलाने के उद्देश्य से बम फेंका गया है, जिसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। कर्नलगंज पुलिस मामले की जांच में जुटी है मिली जानकारी के अनुसार प्रयागराज के कटरा गोबर गली में देसी बम फेंका गया है। इलाके में छोटू यादव नाम का शख्स रहता है उसी से हर्षित सोनकर नाम के लड़के का विवाद हुआ था। आरोप है कि हर्षित ने ही छोटू को निशाना बनाकर बम चलाया, विजय मिश्रा का इस विवाद से कोई लेना-देना नहीं है। पुलिस इलाके के चप्पे-चप्पे पर नजर रखे हुए है। साथ ही वहां की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। कर्नलगंज पुलिस स्टेशन के एसएचओ राम मोहन राय का कहना है कि अतीक के वकील दयाशंकर मिश्रा निशाने पर नहीं थे और यह घटना दो युवकों के बीच दुश्मनी का नतीजा थी। हालांकि, वकील ने दावा किया कि यह भय और आतंक पैदा करने की कोशिश थी।

दर्दनाक हादसा : स्कूल बस ने मासूम को रौंदा, फंसकर घिसटता रहा शव, सड़क पर बिखरे चीथड़े, मचा कोहराम

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में मंगलवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक तेज रफ्तार स्कूल बस ने मासूम को रौंद दिया। हादसे में मासूम का शव बस में फंसकर काफी दूर तक घिसटता गया। इससे उसके चीथड़े सड़क पर बिखर गए। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को समेटा और घटना की जानकारी ली। हादसा बाह थाना क्षेत्र के बटेश्वर में हुआ। यहां मंगलवार की सुबह करीब 8:0 बजे बीएस शिक्षा निकेतन, बटेश्वर की बस बच्चों को लेने निकली थी। बच्चों को लेकर वह वापस स्कूल के लिए लौट रही थी। इसी समय जज्ञ क्षेत्र निवासी एक महिला अपने दो वर्षीय बच्चे रुस्तम की तबीयत खराब होने पर दवा दिलाने जा रही थी। दोनों पैदल चल रहे थे। इसी समय पीछे से आई तेज रफ्तार बस ने बच्चे को टक्कर मार। टक्कर लगने के बाद मासूम सड़के के बीच की तरफ गिर गया। वह टायर के नीचे आ गया। बस में फंसकर कुछ दूरी तक घिसटता भी चला गया। इससे उसके चीथड़े सड़क पर बिखर गए। मां व आसपास के लोग चिल्लाए तब चालक ने ध्यान दिया। उसने तत्काल गाड़ी खड़ी की और बीहड़ के रास्ते जंगल की तरफ भाग निकला। बच्चे के चीथड़े देख मां चीख पड़ी। तब तक आसपास के लोग भागकर मौके पर पहुंच गए। चालक की लापरवाही और घटना से आक्रोशित लोगों ने बस में तोड़फोड़ की। देखते ही देखते मौके पर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। लोगों में स्कूल प्रशासन और चालके के प्रति जबरजस्त आक्रोश है। इसी बीच कुछ लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझाकर शांत किया। पुलिस ने शव को समेटा और उसे कपड़े में बांधा। पुलिस ने मौजूद लोगों से घटना की जानकारी ली। इंस्पेक्टर संजीव शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

शाइस्ता के सरेंडर की अटकलें हुईं तेज, प्रयागराज कोर्ट के बाहर की गई घेराबंदी, एसओजी कर रही निगरानी

प्रयागराज। अतीक अशरफ हत्याकांड के बाद पुलिस और एसटीएफ की टीम ने गुड्डू मुस्लिम और शाइस्ता परवीन की तलाश तेज कर दी है। इसी बीच 50 हजार रुपए की इनामी शाइस्ता के प्रयागराज कोर्ट में सरेंडर की कयासों ने जोर पकड़ लिया है। हालांकि इस बाबत जब अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने इसकी पुष्टि नहीं की लेकिन जिस तरीके से प्रयागराज कोर्ट की घेराबंदी की जा रही है, उससे इन अटकलों को बल मिल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रयागराज जिला कचहरी में पुलिस फोर्स और क्राइम ब्रांच के जवान सक्रिय हो गए हैं। पुलिस ने पूरे परिसर की घेराबंदी कर रखी है। अतीक अहमद के वकीलों की भी निगरानी एसओजी द्वारा की जा रही है। शाइस्ता परवीन की तलाश में पुलिस की कई टीम कल रात से ही छापेमारी कर रही है। प्रयागराज और कौशांबी में तमाम इलाकों में छापेमारी की सूचना है। जानकारी के अनुसार, लेडी डॉन की तलाश में करीबियों और रिश्तेदारों के घरों में घुसकर खोजबीन की जा रही है। पता चला है कि चकिया में शाइस्ता के मायके में भी छापा मारा गया है, जिसके बाद मायके वाले घर छोड़कर भाग गए है। अतीक की पत्नी के मायके का घर खुला पड़ा है।

गुड्डू मुस्लिम ने दिया अतीक को धोखा, उसकी सूचना पर मारे गए असद और गुलाम, ये राज हुआ दफ्न

प्रयागराज। अतीक और अशरफ के मारे जाने के बाद सबसे ज्यादा चर्चा गुड्डू मुस्लिम की है। दरअसल अशरफ के जो आखिरी शब्द गुड्डू मुस्लिम था। वह गुड्डू मुस्लिम के बारे में क्या बताना चाहता था, यह राज अब हमेशा हमेशा के लिए दफ्न हो गया, लेकिन चर्चा है कि गुड्डू ने अतीक को अंतिम समय में धोखा दिया। चर्चा है कि अशरफ यही बात कहना चाहता था, उससे ठीक पहले उसे गोली मार दी गई। गुड्डू की सूचना पर एसटीएफ ने असद और गुलाम को मार गिराया था? जिस दिन असद और गुलाम का एनकाउंटर हुआ, उसी दिन से अफवाह उड़ रही है कि पुलिस ने गुड्डू मुस्लिम को पकड़ लिया। उसके कभी झांसी, कभी अजमेर और कभी नासिक में होने की बात कही गई। गुड्डू मुस्लिम के डबल क्रास करने की अफवाह उस दिन से उड़ी जिस दिन अतीक और अशरफ की हत्या हुई थी। काल्विन अस्पताल में 15 अप्रैल की रात मीडियाकर्मियों ने अतीक और अशरफ से पूछा था कि वे असद के जनाजे में क्यों नहीं गए। अतीक ने उत्तर दिया कि नहीं जाने दिया गया नहीं गए। इसके ठीक बाद अशरफ बोला कि बात यह है कि गुड्डू मुस्लिम। इस शब्द के बाद ही पहले अतीक के सिर में गोली मारी गई

फिर अशरफ के सिर में गोली मार दी गई। उसका वाक्य पूरा नहीं हो पाया। इस आखिरी शब्द की पूरे प्रदेश में चर्चा है। मीडियाकर्मी जब असद के जनाजे में जाने की बात कर रहे थे तो अशरफ ने गुड्डू मुस्लिम का नाम क्यों लिया। वह जो भी बताना चाहता था, वह राज अब हमेशा के लिए राज ही रहेगा लेकिन गुड्डू के बारे में तरह तरह की अफवाहें तैर रही हैं। सूत्र बताते हैं कि अशरफ ने एसटीएफ से कहा था कि असद और गुलाम के अलावा गुड्डू मुस्लिम, अरमान और साबिर को सौंप देगा। इस बात की खबर लगते ही गुड्डू मुस्लिम ने एसटीएफ से संपर्क किया। बताया जाता है कि गुड्डू उस वक्त झांसी एक ठेकेदार के घर ठहरा हुआ था। उसी की सूचना पर एसटीएफ वहां पहुंची और असद व गुलाम का एनकाउंटर कर दिया गया। इसी दिन अफवाह फैली कि एसटीएफ ने गुड्डू को अजमेर में घेर लिया है। इसके बाद उसके महाराष्ट्र में होने की बात कही गई। यह बताया गया कि नासिक में गुड्डू को पकड़ लिया गया है। तमाम चैनलों पर यह खबर चलने लगी लेकिन यह बात भी अफवाह ही साबित हुई। गुड्डू मुस्लिम के डबल क्रास करने की बात की भी कहीं से पुष्टि नहीं है लेकिन जिले में इस बात की काफी चर्चा है।

पीएम मोदी 20 अप्रैल को करेंगे वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 अप्रैल को वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार एक बयान में इसकी जानकारी दी। बता दें कि दो दिवसीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी 20-21 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के सहयोग से संस्कृति मंत्रालय द्वारा की जा रही है। इस दो-दिवसीय वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन का विषय 'समकालीन चुनौतियों के प्रति प्रतिक्रिया : दर्शन से अभ्यास तक' है। पीएमओ ने कहा कि शिखर सम्मेलन दुनिया भर के प्रतिष्ठित विद्वानों, संघ नेताओं और धर्म चिकित्सकों की भागीदारी का गवाह बनेगा, जो वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। यह बौद्ध धर्म में भारत की प्रासंगिकता और उसके महत्व को रेखांकित करेगा। सम्मेलन के दौरान बुद्ध धम्म और शांति, बुद्ध धम्म : पर्यावरणीय संकट, स्वास्थ्य और स्थिरता, नालंदा बौद्ध परंपरा का संरक्षण और बुद्ध धम्म तीर्थयात्रा, जीवंत विरासत और बुद्ध अवशेष, एवं दक्षिण, दक्षिण-पूर्व और पूर्वी एशिया के देशों के साथ भारत के सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंधों का एक सुदृढ़ आधार आदि विषयों पर चर्चा की जाएगी। इस शिखर सम्मेलन में देश के लगभग 30 देशों के प्रतिनिधि

और 171 विदेशी प्रतिनिधि और भारतीय बौद्ध संगठनों के भी प्रतिनिधि शामिल होंगे। वहीं, चीन ने वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन से दूरी बनाई हुई है। वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन के आयोजन की जानकारी देते हुए केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने बताया कि यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संघ और संस्कृति मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

संपादकीय

लापरवाही का सिलसिला

किसी भी दुखद घटना या हादसे का जरूरी सबक यह होना चाहिए कि ऐसे इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में वैसा फिर न हो। लेकिन ऐसा लगता है कि बिहार में सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वहां पाबंदी के बावजूद बार-बार जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत हो रही है और प्रशासन की नाकामी बदस्तूर कायम है। गौरतलब है कि बिहार के मोतिहारी में तीन दिन पहले शराब पीने के बाद फिलहाल छब्बीस लोगों की जान जाने की खबर आ चुकी है। हैरानी की बात यह है कि राज्य में शराब पर सख्त पाबंदी को मौजूदा सरकार अपनी एक बड़ी उपलब्धि बताती रही है। मगर समय-समय पर अमूमन हर जगह अवैध रूप से शराब मिलने की खबरों को लेकर जब सवाल उठाए गए और पाबंदी की व्यावहारिकता को कठघरे में खड़ा किया गया, तब भी सरकार ने इस मामले में नरमी बरतने के कोई संकेत नहीं दिए। सवाल है कि अगर सरकार शराब पर प्रतिबंध को लेकर अपने सख्त रुख को उचित मानती है तो उसे जमीन पर उतारने में लगातार नाकाम क्यों दिख रही है! हालांकि कुछ महीने पहले राज्य के छपरा जिले में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों की पिछली घटना के बाद राज्य में काफी तीखी प्रतिक्रिया उभरी थी और विपक्षी दलों ने सवाल उठाए थे। तब मुख्यमंत्री ने जो प्रतिक्रिया दी थी, उसे भी संवेदनशीलता की कसौटी पर उचित नहीं माना गया था। जबकि पाबंदी के बावजूद अगर कहीं किसी रूप में सामान्य या जहरीली शराब मिल रही है तो यह राज्य के प्रशासनिक तंत्र की लापरवाही और विफलता का ही सूचक है। अगर सरकारी तंत्र की नाकामी की वजह से जहरीली शराब के कारोबारी अपना धंधा चला रहे हैं तो सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। शायद इसी तरह के सवालों से उपजे दबाव का नतीजा है कि इस बार अपना रुख बदलते हुए बिहार के मुख्यमंत्री ने यह अहम घोषणा की कि मोतिहारी में जहरीली शराब पीने से मरने वालों के अलावा पहले की घटनाओं में हुई मौतों के मामले में भी पीड़ित परिवारों को चार-चार लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। यों सरकार ने इसके लिए कुछ शर्तें लगाई हैं। मसलन, मृतक के परिजनों को लिखित देना होगा कि मौत शराब पीने से हुई है, शराबबंदी अच्छी चीज है और भविष्य में परिवार का कोई भी शख्स शराब नहीं पीएगा। दरअसल, बिहार में पिछले कई साल से शराबबंदी लागू है और इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ राज्य की पुलिस की ओर से बेहद सख्ती बरतने की खबरें भी आती रही हैं। शराब की अवैध बिक्री के आरोप में बहुत सारे लोगों को जिस तरह कानून के कठघरे में खड़ा किया गया, उस पर विपक्षी दलों ने सवाल उठाए। जमीनी तस्वीर यह है कि राज्य में पाबंदी के बावजूद शराब हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं देखा गया। ऐसे आरोप भी सामने आए कि कई स्तर पर मिलीभगत के बूते आज भी शराब के अवैध कारोबार को अंजाम दिया जाता है। इसी बीच कई बार जहरीली शराब भी बेच दी जाती है और उसका शिकार आमतौर पर वैसे गरीब लोग होते हैं, जो जागरूक नहीं होते हैं। आखिर इसकी मुख्य वजह शराबबंदी के नियम को ईमानदारी से लागू करने में राज्य के संबंधित महकमों की लापरवाही ही है। यह बेवजह नहीं है कि प्रतिबंध के बावजूद हर कुछ समय बाद राज्य के किसी इलाके में जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत की खबरें अक्सर आती रहती हैं। अगर बिहार सरकार इसे कोई गंभीर समस्या मानती है तो उसे शराबबंदी की अपनी प्रचारित नीति की सार्थकता भी साबित करनी चाहिए।

ये सबने चिल्लाया !

गोपनीय चिट्ठी है ।
ये सबने चिल्लाया ।।
खबर सबके पास ।
इसमें सब समाया ।।
हर तरफ है हल्ला ।
पहले हम ले आए ।।
कब और कैसे ?
तेज ये बताए ।।
क्या सच क्या है झूठ ।
सूत्र पर मजबूत ।।
लगा हमारे हाथ ।
दे सकते सबूत ।।
स्थिति हास्यास्पद ।
भले ही हो जाए ।।
लेकिन समय काफी ।
हमने भी बिताए ।।

–कृष्णेन्द्र राय

वन्यजीव और जीवन का संघर्ष

यह स्पष्ट है कि स्थानीय आदिवासी गैंडों का शिकार नहीं करते। गैंडों के अवैध शिकार में शामिल लोगों के तार अंतरराष्ट्रीय गिरोहों से जुड़े हैं। सरकार का खुफिया तंत्र सब कुछ जानता है, पर सवाल है कि क्या सरकार की ओर से उन इलाकों में ऐसा कोई जागरूकता अभियान चलाया गया है? 2015 में जितने गैंडों को शिकारियों ने मारा, उससे ज्यादा लोग पार्क के सुरक्षाकर्मियों की गोली से मरे। काजीरंगा अभयारण्य में गैंडों की आबादी पिछले दो दशकों में दोगुनी हुई है। 1985 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर के तौर पर घोषित यह अभयारण्य सरकार और स्थानीय संस्थाओं के समन्वय से हासिल एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर दुनिया के सामने नजीर है। मगर 2017 में वहां गैंडों के संरक्षण को लेकर सरकार के तौर-तरीकों पर अचानक दुनिया भर में बहस छिड़ गई। गैंडों के संरक्षण की आड़ में स्थानीय मूल निवासियों के उत्पीड़न और शोषण की बातें होने लगीं। चूंकि गैंडों को बचाने और उनकी आबादी बढ़ाने की मुहिम एक संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय मसला है, इसलिए वन्यजीवों और वनवासियों के हितों पर काम करनेवाली संस्थाओं के सामने काजीरंगा अध्ययन का विषय बन गया। वन्य जीवों के संरक्षण को लेकर नामचीन संस्थाओं को गैंडों की उन पांच प्रजातियों की चिंता है, जो आज धरती के कुछ खास इलाकों में पाई जाती हैं। संयोग है कि उन जंगलों में विविध प्रकार के दुर्लभ और संकटग्रस्त वन्य-जीवों के अलावा आदिवासी भी रहा करते हैं। भारत में सवा दो करोड़ आदिवासी आबादी के बीच हजारों की संख्या में गैंडे भी रहते हैं। मगर भारत में गैंडों को बचाने की मुहिम कुछ अलग किस्म की लगती है।

बताया जाता है कि पूर्वोत्तर भारत में आदिवासियों की जान की कीमत पर गैंडों की आबादी बढ़ाई जा रही है। इससे जुड़ी प्रामाणिक खबरें नागरिक समाज तक पहुंचीं, तो जैसे वितंडा मच गया। ऐसे में जंगलात विभाग की जमकर फजीहत हुई। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि काजीरंगा के वन अधिकारियों पर शिकारियों के खिलाफ कार्रवाई दशार्ने का भारी दबाव बना रहता है। तभी तो जंगलों में घुसपैठ करते शिकारी मारे जाते हैं। विज्ञान पत्रिका नेचर कम्युनिकेशन में लंदन की एक गैर-सरकारी संस्था वर्ल्ड एनिमल प्रोटेक्शन की छपी एक रिपोर्ट में असम की तीन प्रमुख जनजातियों, बायेट, दिमासा और कार्बी के लोगों के वन्यजीवों के अवैध शिकार में शामिल होने की पुष्टि की गई है। वैसे तो भारत में गैंडों को बचाने और उनकी आबादी बढ़ाने के तौर-तरीकों पर लंबे समय से अंगुलियां उठाई जाती रही हैं।

पर अवैध शिकार पर पूरी तरह से नियंत्रण अभियान के नतीजे दिखाने के लिए निर्दोष आदिवासियों की हत्या जैसे निष्कर्षों तक जाने की बातें नहीं हुई थीं। सरकार की दलील है कि गरीबी में आदिवासी समझौता कर लेते हैं और तस्करों के एजेंट बन जाते हैं। हालांकि, स्थानीय समुदायों की खराब सामाजिक-आर्थिक स्थिति, मतलब भुखमरी से उन्हें उबारने को लेकर सरकार की ओर से अनेकानेक प्रयास किए जाते रहे हैं। मगर आदिवासियों की अपनी जड़वत सोच, सुस्त जीवन-शैली और शेष दुनिया से खुद को अलग रखने के निश्छल संजातीय खासियत के चलते वे सरकार के उद्धार और कल्याण वाले कार्यक्रमों से जुड़ नहीं पाते। यह भी सच है कि उद्यान के आला अधिकारी अवैध शिकार पर रोक लगाने के लिए स्थानीय जासूस भी पालते हैं। ये जासूस कभी-कभार निजी रंजिश निकालने के लिए स्थानीय निर्दोष आदिवासियों को भी शिकार बना लेते हैं। असम में जो हो रहा है, उससे कमोबेश समूची दुनिया हैरान है। आदिवासी इलाकों में जहां युगीन जैव-विविधता को बाहरी हस्तक्षेप ने बर्बाद किया, तो बाद में संवर्द्धन के नाम पर शासकीय संरक्षण के चलते प्रकृति के साथ मूल बाशिंदों का तारतम्य कमजोर पड़ गया। राजकीय संरक्षण को आदिवासियों ने कभी मन से स्वीकार नहीं किया। क्योंकि जहां युगों से आदिवासी पुश्तैनी अधिकारों के साथ जी रहे थे, अब उन्हें अनुदार राजकीय कृपा का मोहताज होना पड़ा है। इस तथ्य को काजीरंगा के बोडो आदिवासियों के बीच महसूस किया जा सकता है। नतीजतन, व्यवस्था-विरोधी अघोषित टकराहटों का माहौल बन जाता है। कई स्वयंसेवी संस्थाओं और वन्यजीव कार्यकताओं के विश्लेषण और निष्कर्षों के बाद अब काजीरंगा को निर्दोष आदिवासियों का वध-भूमि कहा जाने लगा है।

2014 के बाद से केवल दो शिकारियों को सजा हुई है, जबकि पचास संदिग्ध लोगों को गोली मार दी गई। उल्लेखनीय है कि काजीरंगा सदियों से बोडो आदिवासियों का कुदरती रिहाइश रहा है। ये आदिवासी यहां से जलावन की लकड़ियां, परंपरागत जीवन-शैली के लिए जड़ी-बूटियां और भोजन के लिए विभिन्न प्रजाति के औषधीय पौधों पर निर्भर रहे हैं। देश के अन्य जनजातीय समुदायों की तरह इन बोडो लोगों की जंगल के चप्पे-चप्पे में पहुंच है। उनका वहां के वन्य जीवों से गहरा नाता रहा है। आदिवासियों का दावा है कि उनके पूर्वजों ने न सिर्फ गैंडों, बल्कि अन्य प्रजाति के पशु-पक्षियों के साथ सामंजस्य और साहचर्य का जीवन बिताया है। इनमें से कई प्रजातियां विलुप्ति की कगार पर पहुंच गई थीं, उन्हें बचाने में आदिवासियों का बड़ा योगदान रहा है। मगर ऐसी दावेदारियों के बीच सरकार की ओर से इल्जाम क्यों लगाए जा रहे हैं? क्या सच में वन्य जीवों के अंधाधुंध शिकार में स्थानीय आदिवासी समुदायों की संलिप्तता रही है? बोडो परंपरागत तौर पर शिकार पसंद प्रजाति है। क्या वे अपनी शिकार-प्रथा में गैंडों को मारते रहे हैं? क्या गैंडों के अंतरराष्ट्रीय बाजार से स्थानीय आदिवासियों का कोई ताना-बाना है? कुछ दशक पहले गैंडों के अस्तित्व पर संकट के लिए स्थानीय आदिवासी समुदायों को जिम्मेदार माना गया था। इसी बीच 2015 में खबर आई कि विभिन्न मुठभेड़ों में जंगलात विभाग ने साल भर में चौबीस आदिवासियों को मार गिराया। सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी से पता चला कि 1972 के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत 2010 से 2015 के बीच कुल 636 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

1980 के दशक में असम में निहित स्वार्थी तत्त्वों के सरकार के साथ संघर्ष के बीच वन्य जीवों के संरक्षण की चिंता नहीं की गई। उस अवधि के बाद जब विद्रोहियों ने मानस राष्ट्रीय उद्यान में शरण ली, तो लकड़ियों और वन्य उत्पादों का भरपूर दोहन किया गया। उनमें गैंडों के अवैध शिकार से विद्रोही अकूत दौलत कमा रहे थे। उसी दौरान आदिवासियों को इस काम में शामिल होने के लिए बाध्य किया जाता था। ऐसा नहीं कि सरकार ने गैंडों और अन्य वन्य जीवों के शिकार पर रोक लगाने की कोशिश नहीं की थी। सरकार ने पारिस्थितिकी बोर्ड की स्थापना करके तस्करों की मदद करने वाले हजारों आदिवासियों और वनाश्रित समुदायों को हथियार छोड़ कर सामान्य जिंदगी जीने के लिए प्रेरित किया, फिर भी ऐसे लोग अवैध कारोबार छोड़ने को तैयार नहीं हुए। यह स्पष्ट है कि स्थानीय आदिवासी लोग गैंडों का शिकार नहीं करते। गैंडों के अवैध शिकार में शामिल लोगों के तार अंतरराष्ट्रीय गिरोहों से जुड़े हैं। सरकार का खुफिया तंत्र सब कुछ जानता है, पर सवाल है कि क्या सरकार की ओर से उन इलाकों में ऐसा कोई जागरूकता अभियान चलाया गया है? 2015 में जितने गैंडों को शिकारियों ने मारा, उससे ज्यादा लोग पार्क के सुरक्षाकर्मियों की गोली से मरे।

किताबों का कोना

पुस्तक द्वारा हमें ज्ञान, अनुभव और जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे में सीखने का सुअवसर मिलता है। इनकी सहायता से हम प्राचीन धर्म, विज्ञान, तकनीक, इतिहास, सामाजिक विज्ञान, कला, साहित्य आदि के बारे में जान सकते हैं। इनका संसार बड़ा रोचक, मोहक और ज्ञानवर्धक है। जिंदगी पट्टी पूजन से शुरू होती है और पूरी जीवन यात्रा में पुस्तकें हमारा पाथेय बनी रहती हैं। ये मनुष्य के जीवन की दिशा निर्धारित कर देते हैं। पुस्तकें ज्ञान का कोश हैं और अनुभव जनित ज्ञान का भंडार हैं। ये जहां-तहां दुकानों, पुस्तकालयों, पुस्तक मेलों आदि में अपने सुंदर सजावटी तरीके से सजती हैं। कुछ स्थानों पर लोकार्पित और विमोचित होती हैं, लेखकों से संवाद होता है। पुस्तकें देखी जाने के साथ-साथ खरीदी जाकर पुस्तकालयों और पुस्तक प्रेमियों के घरों में विराजती हैं। कुछ यदा-कदा बांच ली जाती हैं, कुछ के पन्ने पलट लिए जाते हैं, कुछ की अनुक्रणिका देखकर ही पुस्तक का जायजा ले लिया जाता है। कुछ जरूरत पड़ने पर संदर्भ के लिए संभाल कर रख दी जाती हैं और

कुछ को सजा कर रख दिया जाता है। व्यक्तिगत पुस्तकालयों में कुछ पुस्तकों का भाग्य इतना बुलंद होता है कि उन्हें कई बार अक्षर-अक्षर पढ़ लिया जाता है।

पुस्तक प्रेमी कई तरह के होते हैं। उनमें एक विद्यार्थी हैं, जिनके लिए यह एक अनिवार्य अभ्यास हो जाता है। ये लोग प्रायः अध्ययन और पढ़ाई में रुचि रखते हैं और पुस्तकों के माध्यम से अपनी ज्ञान और सूक्ष्म विचारधारा को बढ़ाना पसंद करते हैं। दूसरे होते हैं साहित्य प्रेमी। ये लोग साहित्यिक उत्पादों के प्रेमी होते हैं, जैसे कि कहानियां, कविताएं, नाटक आदि। वे अपनी बुद्धि, समझ और भावुकता के अंतर्गत साहित्य को समझते हैं और उससे प्रभावित होते हैं। तीसरे होते हैं इतिहास प्रेमी। ये लोग इतिहास और संस्कृति से जुड़ी पुस्तकों के प्रेमी होते हैं। वे उनका अध्ययन करते हैं और उनके माध्यम से अपनी जानकारी को बढ़ाते हैं। चौथे होते हैं विज्ञान प्रेमी। ये लोग वैज्ञानिक उत्पादों, अनुसंधान और नवीनतम विकासों से जुड़ी पुस्तकों के प्रेमी होते हैं। वे उन्हें अध्ययन करते हैं और उनसे नए विचारों का निर्माण करते हैं। इसके अलावा, धार्मिक किताबों के प्रेमी धर्म से संबंधित पुस्तकों का अध्ययन करने में रुचि रखते हैं। पुस्तक प्रेमियों के वर्ग अनंत हैं। लेकिन कुछ वर्ग ऐसे होते हैं, जिनमें एक को खरीदने का और अलमारी में सजाने का बड़ा भारी शौक होता है। कुछ तो बैठक में ही उन्हें सजा देते हैं और शोभा बना देते हैं कि मेल-मिलाप के लिए आने वालों पर उनका अच्छा असर पड़े कि अमुक बेहद पढ़ाकू है। कुछ लोग पुस्तकों के इतने प्रेमी होते हैं जो पुस्तकों का अक्षर-अक्षर जब तक नहीं पढ़ लेते, बेचैन रहते हैं। कुछ पढ़कर समझने और उनका जीवन में प्रयोग करने के पक्षधर हैं तो कुछ दूसरों को बांच कर सुनाते रहते हैं। और कुछ पुस्तकों से पाठ रट कर परीक्षा में लिख आते हैं, परीक्षा पास कर लेते हैं और बाद में सब भुला दिया जाता हैं। कुछ पाठक हैं तो कुछ पाठकों की सुविधा, रुचि और अपने अनुभवों का पिटारा, सब तक पहुंचाने के लिए लगातार खुद को लिख-लिख कर अभिव्यक्त करते रहते हैं। पुस्तकें हमें इस रूप में जीवन जीने का मार्ग दिखाती हैं कि सही-गलत का बोध कराती हैं, अद्यतन सूचना से लैस करती हैं। ये लेखक के संचित अनुभवों का भंडार हैं। ये केवल शब्दों की बाजीगरी या जादूगरी ही नहीं है। कितना-कितना सोचा-समझा जाता है, तब जाकर शब्द वाक्य में, वाक्य अनुच्छेद में, अनुच्छेद पृष्ठों में, पृष्ठ अध्यायों में बदल कर पुस्तक रूप में सजते हैं। दिमाग में उमड़ते-घुमड़ते विचारों को मन के भावों को शब्दो में बांध कर पृष्ठ पर उतार देना कोई जादू का छूमंतर नहीं है कि किसी ने छू भर दिया और सब हो गया। लेखन श्रम और लगन मांगता है, आपका ध्यान और समय मांगता है। लिखा केवल इसीलिए नहीं जाता कि छपास हावी होती है, बल्कि लिखा इसलिए भी लिखा जाता है कोई व्यक्ति लिखे बिना रह ही नहीं पाता। समय बदला पुस्तकें भी डिजिटल हो गईं। अब वह पीडीएफ के रूप में मोबाइल में समा गई हैं। अब मोबाइल में ही पढ़ देते हैं। रूप आकार बदलने से कुछ नहीं होता है। अंतिम उद्देश्य यही होना चाहिए कि पुस्तक संस्कृति बची और बनी रहनी चाहिए। लगते रहें पुस्तक मेले, खरीदी और बांची जाती रहें पुस्तकें, मेले ठेलों में लोकार्पित और विमोचित होती रहें पुस्तकें। ये स्टाल ऐसे ही सजते रहें और पुस्तक प्रेमी इन मेलों का आनंद लेते रहें। बस आम पाठक तो इतने में ही भर पाता है। पुस्तकें हम सबकी सांची मीत हैं, पर यह याद रखना भी बेहद जरूरी है कि पुस्तक स्थित विद्या और परहस्तगते धन किसी काम का नहीं होता। तो पुस्तकों का ज्ञान हमारे संज्ञान का विषय बना रहे। हमारे द्वारा उन्हें पढ़ा-गुना जाता रहे, तभी पुस्तकें सांची मीत बनी रह सकती हैं।

क्या जगदीश शेट्टार के कांग्रेस में शामिल होने से भाजपा को होगा नुकसान?

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता रहे जगदीश शेट्टार आखिरकार सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। शेट्टार के राजनीतिक कद का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्हें पार्टी में शामिल करने के लिए बेंगलुरु के पार्टी कार्यालय में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे स्वयं मौजूद रहे। भाजपा को भी उनके राजनीतिक कद का अंदाजा बखूबी था इसलिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उन्हें दिल्ली बुलाकर स्वयं समझाने का प्रयास किया। चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से लेकर राज्य के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई तक कई दिग्गज नेता उन्हें लगातार मनाने का प्रयास करते रहे।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने तो यहां तक कहा कि भाजपा ने उन्हें राजनीति से संन्यास लेने को नहीं कहा था बल्कि पार्टी उन्हें राज्य सभा भेजने और केंद्र में मंत्री बनाने तक को तैयार थी। यहां तक कि पार्टी शेट्टार के परिवार के किसी अन्य व्यक्ति को भी टिकट देने को तैयार हो गई थी लेकिन इसके बावजूद जगदीश शेट्टार स्वयं चुनाव लड़ने पर अड़े रहे और टिकट नहीं मिलने पर सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए।

अब सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो रहा है कि क्या जगदीश शेट्टार के कांग्रेस में शामिल होने से भाजपा को कर्नाटक में नुकसान होगा ? क्या शेट्टार के पार्टी में शामिल होने से कांग्रेस को फायदा

होगा ? क्या शेट्टार का पार्टी छोड़कर जाना भाजपा के लिए इतना बड़ा झटका साबित हो सकता है कि उसे चुनाव हार कर राज्य की सत्ता से बाहर होना पड़े ?

दरअसल, इस बात में कोई शक नहीं है कि जगदीश शेट्टार कर्नाटक में लिंगायत समुदाय के बड़े नेता माने जाते हैं। शेट्टार, बीएस येदियुरप्पा के बाद राज्य में लिंगायत समुदाय के दूसरे सबसे बड़े नेता माने जाते हैं। उसी लिंगायत समुदाय के नेता, जिसके बारे में यह कहा जाता है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद का फैसला इसी समुदाय के वोट से होता है। यह समुदाय चुनाव में जीत भी दिला सकता है और हरवा भी सकता है। यही वजह है कि भाजपा में उन्हें लगातार तवज्जो मिलती रही है। भाजपा के सचिव से लेकर उन्हें कर्नाटक भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष तक बनाया गया। शेट्टार छह बार विधायक रह चुके हैं, कई बार मंत्री के तौर पर बड़े-बड़े मंत्रालयों को संभाल चुके हैं। यहां तक कि विधान सभा अध्यक्ष और राज्य के मुख्यमंत्री तक का बड़ा पद भाजपा ने उनके राजनीतिक प्रभाव को देखते हुए ही उन्हें दिया था।

यह बात सही है कि जगदीश शेट्टार लिंगायत समुदाय के बड़े नेता हैं और अगर कांग्रेस ने उनका सही उपयोग किया तो वो 20 से ज्यादा सीटों पर खासकर उत्तरी कर्नाटक की सीटों पर वे भाजपा उम्मीदवारों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और भाजपा को भी इसका अहसास बखूबी है। इसलिए यह माना जा रहा है कि भाजपा ने अपने अग्रेसिव इलेक्शन कैंपेन की खासियत के तहत इस नुकसान को भी कम करने की रणनीति तैयार कर ली होगी।

भाजपा चुनाव में आखिरी समय तक लड़ने के लिए मशहूर हो चुकी है इसलिए वो शेट्टार की वर्तमान विधानसभा सीट को भी जीतने की पूरी कोशिश करेगी। भाजपा को यह भी लगता है कि जगदीश शेट्टार के राजनीतिक गुरु बीएस येदियुरप्पा पूरी तरह से पार्टी के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं और जिस अंदाज में वो शेट्टार की आलोचना कर रहे हैं उसे देखते हुए लिंगायत समुदाय के उनके साथ जाने की संभावना बहुत कम है। पार्टी यह मान कर चल रही है कि राज्य में लिंगायत समुदाय के सबसे बड़े नेता बीएस येदियुरप्पा हैं जो मजबूती के साथ भाजपा के साथ खड़े हैं और ऐसे में यह समुदाय भी भाजपा को ही वोट करेगा। इसलिए कांग्रेस में शामिल होकर भाजपा को नुकसान पहुंचाने का मंसूबा पालने वाले जगदीश शेट्टार को इस बार अपने ही लिंगायत समर्थक मतदाताओं का वोट हासिल करने के लिए अपने ही राजनीतिक गुरु रहे बीएस येदियुरप्पा के आभामंडल, राजनीतिक प्रभुत्व और लोकप्रियता से लड़ाई लड़नी होगी और इसलिए भाजपा अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रही है।

गुमशुदा की तलाश

नाम- आकाश रावत
पिता का नाम- अच्छेलाल बारी
माता का नाम- रीता बारी
पता- ग्राम व पोस्ट कनेरी, सादात
गाजीपुर उत्तर प्रदेश
उम्र- 23 वर्ष
लंबाई- 5 फीट 5 इंच
रंग- गोरा
पहनावा - गुलाबी टी-शर्ट लोअर चप्पल

नोट - आकाश रावत दिनांक 11/04/ 2023 से लापता है। जिसकी दिमागी हालत (मंद बुद्धि) ठीक नहीं है। आकाश रावत गुलाबी टी-शर्ट लोअर चप्पल पहनकर 11/04/2023 को दवा लेने के लिए अंबेडकरनगर के मखदूम शाह गया था। जिसके बाद से लापता है। जिस भी व्यक्ति को यह लड़का मिले वह उसे सकुशल घर पहुंचाए या फिर मोबाइल नंबर 860 470 5161 व 95 6587 5424 पर तत्काल सूचना दें। सूचना देने या पहुंचाने वाले व्यक्ति को आने- जाने का किराया सहित उचित इनाम दिया जाएगा।

प्रतियोगियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं अपूर्वा सिंहः हृदय प्रसाद सिंह

केंद्रीय विश्वविद्यालय गया बिहार से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा ने पास की यूजीसी नेट परीक्षा

प्रखर सुईथाकला जौनपुर। गांधी स्मारक पीजी कॉलेज समोधपुर के प्राचार्य प्रोफेसर रमेश चंद्र सिंह की बेटी अपूर्वा सिंह ने यूजीसी नेट परीक्षा 2022 पास करके सफलता की एक अलग मिसाल कायम की है। कभी-कभी ऐसी प्रतिभाएं उभरकर सामने आती हैं जिससे वे जिस पद या सेवा को ग्रहण करती हैं वह पद ही उनसे सुशोभित होता है।जो यह सफलता हासिल करके पूरे क्षेत्र , समाज व प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए शीर्ष पर पहुंचने वाले प्रतियोगियों के लिए एक अद्भुत मिसाल साबित हो रही हैं।उन्होंने बताया कि शिक्षक बन कर देश की सेवा करना चाहती हूं।नाना स्व.सूर्य प्रसाद सिंह मेरे लिए ऐसे मुख्य प्रेरणा स्रोत थे जिन्होंने हमारे अंदर ऐसी प्रतिभा को देखा और एक दिन तुम ऊंचाई पर जरूर पहुंचोगी कह कर प्रोत्साहित करते थे। जीवन के हर कदम पर पापा ने हमेशा हौसला बढ़ाया है और उन्होंने कभी

निराश नहीं होने दिया।अपने आप को ऊंचाई की बुलंदी पर स्थापित करने वाले व्यक्ति के मन में कभी भी अति आत्मविश्वास और स्वयं को ही बेहतर होने का भ्रम मन में नहीं होना चाहिए।स्वयं से संघर्ष करना चाहिए।लड़खड़ाने का भय बिल्कुल नहीं रह जाता।पिता प्रो.रमेश चंद्र सिंह कहते हैं कि कठिन परिश्रम करने का देर- सवेर फल अवश्य मिलता है । उन्हें निराश न होकर सफलता के लिए सतत प्रयास करना चाहिए। मम्मी अनीता सिंह ने खुशी जाहिर की। कहा कि हमारा सपना था कि बेटी प्रोफेसर बने।गांधी स्मारक विद्यालय संकुल के प्रबंधक हृदय प्रसाद सिंह रानू ने जीवन में ऊंचाई की तरफ अग्रसर होने के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अपने जीवन के बड़े सपने को साकार करने के लिए और कठिन परिश्रम करना चाहिए।विद्यालय संकुल के सभी प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों ने बधाई दी है।गौरतलब है कि प्रारंभिक शिक्षा- दीक्षा गृह जनपद आजमगढ़ से हुई है।प्रतिष्ठित चिल्ड्रन सीनियर सेकेंडरी स्कूल से हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाओं में 90 फीसदी से भी अधिक अंक हासिल करके अपना एक अलग कीर्तिमान स्थापित कर चुकी हैं।बीएचयू से वनस्पति विज्ञान से बीएससी (ऑनर्स) एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय दक्षिण बिहार ,गया (बिहार) से पर्यावरण विज्ञान विषय से एमएससी किया है । विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करके पूरे देश में अपने माता-पिता,परिवार ,क्षेत्र ,विद्या लय परिवार ,जनपद एवं प्रदेश का राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन किया है।कक्षाओं में हमेशा अव्वल रहना इनकी सबसे बड़ी विशेषता रही है।

एन्टीरोमियो टीम द्वारा भुड़कूड़ा में चलाया गया महिला जागरूकता अभियान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं तथा बेटियों को स्वावलंबी और सुरक्षित बनाने तथा उनके अधिकारों के सम्बंध में जागरुक करने व उनके साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम करते हुए उनमें सुरक्षा तथा आत्मविश्वास की भावना जागृत

करने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान के तहत आज मंगलवार को पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के निर्देशन में जनपदीय पुलिस के थाना कोतवाली भुडकुडा की एंटी रोमियो टीमों द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्रों, बीटों, स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थानों, मंदिरों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों के साथ ही शहीद चंद्रशेखर आजाद, वीर अब्दुल हमीद तथा धर्मदेव पांडे इंटर कॉलेज जखनिया में महिलाओ व बलिकाओं से संवाद कर उन्हें महिलाओं की सुरक्षा हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों जैसे- वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 एवं अपने-अपने सीयूजी नम्बरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया गया । वर्तमान समय मे हो रहे विभिन्न तरीकों के साइबर अपराधों के बारे में भी जानकारी दी गयी हॉट उनसे उनकी समस्या भी पूछी गई। साथ ही साथ यह भी बताया गया कि अपने आस-पास के लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जागरुक करें और उन्हें बतायें कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है तो उसकी सूचना तत्काल हेल्पलाइन नम्बर 1930/112 पर दें जिससें समय रहते ही अग्रिम कार्रवाई की जा सके।

संक्षिप्त खबरें

तेज हुआ प्रत्याशियों का जनसंपर्क अभियान

प्रखर खेतासराय जौनपुर। नगर निकाय चुनाव को लेकर मतदान की तिथि नजदीक आते ही चुनावी मैदान में खड़े प्रत्याशियों ने जनसम्पर्क अभियान तेज कर दिया है। भाजपा से अध्यक्ष पद के प्रत्याशी पूर्व चेयरमैन रूपेश गुप्ता ने नगर के आधा दर्जन से अधिक वार्डो का दौरा कर मतदाताओं से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस दौरान वे मतदाताओं से वादा नहीं, विकास करेंगे का आश्वासन देते दिखे। इन्होंने मतदाताओं से कमल के फूल पर मतदान कर भारी मतों से विजयी बनाने की अपील करते हुए शाहगंज में पर्चा दाखिल किया। इस मौके पर एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंसू , सोंधी ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह समेत तमाम कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आवेग 2023 स्पोर्ट्स फेस्ट कानपुर में काशी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन ओवर ऑल चैंपियन बना

प्रखर डेस्क। अंबेडकर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी कानपुर में आवेग 2023 स्पोर्ट्स फेस्ट का आयोजन किया गया जिसमें की काशी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की टीम ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। यह खिताब काशी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी को 8 गोल्ड 6 सिल्वर और 1 ब्राउंज मिलने पर दिया गया। यह सारे मेडल विभिन्न खेलों में प्राप्त किए गए कबड्डी वॉलीबॉल, खो- खो, रिले रेस, 400 मीटर रेस, शॉट पुट, डिस्कस व जैवलिन थ्रो इन खेलों में गोल्ड मिला। सिल्वर हंड्रेड मीटर 200 मीटर 800 मीटर लॉन्ग जंप में सिल्वर रहा 200 मीटर में ब्राउज रहा। स्पोर्ट्स ऑफिसर अजय विक्रम सिंह ने सभी खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की और बधाई दी।

जी-20 मेहमानों की सुरक्षा में एनडीआरएफ रही तैनात

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वाराणसी में तीन दिवसीय जी-20 सम्मेलन का आगाज हो चुका है जो 17 अप्रैल से 19 अप्रैल तक चलेगा। भारत सहित 20 देशों के प्रतिनिधि एवं वैज्ञानिक कृषि विकास पर मंथन करने हेतु सम्मेलन में शामिल हुए हैं नदेसर स्थित होटल ताज में जी-20 के सदस्यों ने कृषि संबंधी विषयों पर चर्चा की जिनकी सुरक्षा एवं किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के निर्देशन में एनडीआरफ की विशेष सीबीआरएन टीम को आधुनिक उपकरण के साथ तैनात किया गया है इसके अतिरिक्त शाम के समय मेहमान नमो घाट से क्रूज द्वारा गंगा दर्शन एवं भव्य गंगा आरती में शामिल हुए इस दौरान गंगा जी एवं एवं घाटों पर एनडीआरएफ की टीम मुस्तैद रही इस पूरी गंगा दर्शन यात्रा में क्रूज को सुरक्षा घेरे में लेकर एनडीआरएफ टीम द्वारा नमो घाट से दशाश्वमेध घाट तक सुरक्षित पहुंचाया गया एनडीआरएफ उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने कहा कि ये बड़े ही गर्व का विषय है कि जी-20 के चलते दुनिया भर के प्रतिनिधि वाराणसी आए हैं और उनकी सुरक्षा का दायित्व हमें मिला है यहां का आतिथ्य उन्हें काशी और भारत देश की अच्छी छवि मन में ले जाने के लिए प्रेरित करेगा उनकी इस यात्रा को सफल बनाने के लिए एनडीआरएफ टीम मोटर बोट, गोताखोर, अनुभवी बचाव कर्मी, मेडिकल टीम, वाटर एम्बुलेंस एवं आधुनिक उपकरणों के साथ गंगा जी में तैनात रही।

बढ़ते तापमान, भीषण गर्मी और हीटवेव से बच्चे पड़ रहे बीमार : इंदु सिंह

प्रखर जौनपुर। भीषण गर्मी छात्र-छात्राओं पर भारी पड़ रही है। गर्मी से बच्चों में पानी की कमी से तबीयत खराब होने लगी है। अप्रैल में ही मई, जून जैसे गर्मी पड़ रही है। जिले का तापमान 42 डिग्री को पार कर गया है। बढ़ती गर्मी के असर से बच्चों में तेज बुखार, डिहाइड्रेशन उल्टी और दस्त जैसी समस्या आ रही है। गर्मी के प्रकोप को देखते हुए जिलाधिकारी महोदय से एक से आठ तक की स्कूलों को बंद किए जाने की मांग की है। उक्त बाते व्यापार मंडल के प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदु ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कही है। इंदु सिंह ने आगे कहाकि गर्मी का जितना असर बड़ों पर होता है उससे कही ज्यादा बच्चों पर गर्मी कहर ढाती है। सुबह स्कूल जाते समय, स्कूल में प्रार्थना करते हुए, ग्राउंड में खेलते हुए और फिर घर आते हुए कड़ी धूप बच्चों को अपनी चपेट में ले लेती है। इसके चलते बच्चों को लू लगने की संभावना बढ़ गई है। ऐसे में बच्चों के सुरक्षित जीवन और स्वास्थ्य को देखते हुए कक्षा 1 से लेकर 8 तक के स्कूलों को बंद किए जाने की मांग करते है। इंदु सिंह ने आगे कहा कि जो स्कूल कॉलेज और महाविद्यालय खुले हुए हैं वहां पीने के पानी के साथ साथ गर्मी के बचाव हेतु आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहनी चाहिए।

प्रतिभा ज्ञान प्रतियोगिता में एक दर्जन बच्चे हुए पुरस्कृत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। डॉ भीमराव आंबेडकर जयंती पर आयोजित हुए प्रतिभा ज्ञान परीक्षा का परिणाम मंगलवार को घोषित करने के साथ बच्चो को पुरस्कृत किया गया। डॉ भीमराव सामाजिक एकता समिति रमईपट्टी पिंडरा के तत्वावधान में आयोजित प्रतिभा ज्ञान प्रतियोगिता में कक्षा 3 से 12 तक के विभिन्न वर्गों में लगभग 300 बच्चों ने प्रतिभाग किया था। जिसके पुरस्कार का वितरण मंगलवार को किया गया। जिसमें उच्च प्राथमिक विद्यालय रमईपट्टी (पिंडरा) के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अभय कुमार ने साइकिल, शशि यादव ने टूरिस्ट बैग, जबकि अनन्या, महिमा, आंचल, पायल, मुस्कान, कुसुम, दीपिका, राजनंदिनी प्रियंका, खुशी, शिवम और सूर्य कुमार ने ट्रॉफी और नगद पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर अध्यापक प्रवीण कुमार सिंह, कमलेश कुमार पांडेय,धर्मराज सिंह, जय हिंद कनौजिया, प्रतिमा देवी, स्नेहा श्रीवास्तव, आरती सिंह, अंजुम, निर्मला देवी, सुजीत कुमार पांडे, शैलेंद्र, सुमन गुप्ता, चंद्रकला जयसवाल, मुंद्रावती देवी व प्रतिभा सिंह उपस्थित रही।

छत की कुंडी में साड़ी के फंदे से लटकता मिला किशोर का शव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। तहसील मोहम्मदाबाद के भावर कोल थाना क्षेत्र के लोहारपुर गांव में सोमवार को एक किशोर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार लोहार पुर गांव निवासी 17 वर्षीय हिमांशु गुप्ता पुत्र संजय गुप्ता सोमवार की दोपहर में मकान की दूसरे मंजिलें पर छत की कुंडी में साड़ी का फंदा बनाकर उसमें लटककर जान दे दी। घटना के समय मां मकान के पहले मंजिलें में सो रही थी। जबकि उसके पिता संजय गुप्ता मोहम्मदाबाद बाजार में आवश्यक सामानों की खरीदारी करने गए थे

तथा उसके भाई बहन स्कूल गए थे। बताया जाता है हिमांशु गुप्ता महादेव बाबा हाई स्कूल में कक्षा दसवीं का छात्र था। तीन भाई बहनों में वह सबसे बड़ा था। इस घटना के संबंध में प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र कुमार राय ने बताया की हिमांशु के पिता संजय गुप्ता ने तहरीर दी है कि उनका पुत्र कुछ दिनों से मानसिक अवसाद में था। इस घटना के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

रामनगर औद्योगिक एसोसिएशन के अध्यक्ष देव भट्टाचार्य के अध्यक्षता में हुआ बैठक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रामनगर औद्योगिक एसोसिएशन के अध्यक्ष देव भट्टाचार्य के अध्यक्षता में 18अप्रैल मंगलवार को सिगरा स्थित एक होटल में बैठक का आयोजन हुआ जिसमें रामनगर औद्योगिक क्षेत्र फेज-1 के उधमी ओमप्रकाश जायसवाल स्वामी मेसर्स प्रकाश आयरन वर्क्स द्वारा अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रान्त से आये हुए उद्यमियों को पाइप स्लॉटिंग मशीन की बिक्री की गई और आगे भी इस तरह के मशीनों की और माँग अमेरिका में होने की प्रबल संभावनाए बन गई है मशीन के खरीदार अमेरिका के क्रिस्टोफर लूकस, और स्टीपेन हुसलेली ने कहा कि पूरे विश्व मे इस तरह की मशीन सिर्फ यही मिल पाया और इस मशीन के लेने से अमेरिका में उनका उत्पादन तीन गुना बढ़ जायेगा। रामनगर औद्योगिक क्षेत्र के उधमी ओम प्रकाश जायसवाल जो पाइप स्लॉटिंग मशीन के निमार्ता है उन्होंने बताया की उनकी मशीने इथोपिया,

केनिया, दुबई ,अबुधाबी, और अमेरिका के कई प्रान्तों में पूर्व में निर्यात की जा चुकी है और आज फिर अमेरिका के ग्राहक को मशीन बेचा है वे इस तरह के मशीनों का निर्माण विगत 25 वर्षो से कर रहे है इसमे अब उनके साथ उनके सुपुत्र आशिर्वाद व रोहित भी सहयोग कर रहे है रामनगर औद्योगिक एसोसिएशन के अध्यक्ष देव भट्टाचार्य ने कहा की एसोसिएशन को रामनगर औद्योगिक क्षेत्र के उधमी ओमप्रकाश जायसवाल जी पर गर्व है, की वे आज अमेरिका में इस तरह के मशीन बनाकर निर्यात कर रहे है और प्रधानमंत्री जी के मेक इन इंडिया के स्वप्न को साकार करने की दिशा में आगे बढ रहे है बैठक में सतीश गुप्ता, अजय राय, पंकज बिजलानी, परेश सिंह, राकेश जायसवाल, अनूप साहू, राजेश जायसवाल, संजय लखमानी, आशीष साहू, शिवपूजन जायसवाल, हरीश कुकरेजा व सीए अशोक मित्तल सहित तमाम उधमी मौजूद रहे।

केराकत में सपा की प्रत्याशी मीना साहू ने किया नामांकन

विधायक तूफानी सरोज की मौजूदगी में सपा कार्यकर्ताओं में दिखा जोश, नामांकन करने के बाद प्रत्याशी मीना साहू ने किया जनसंपर्क

प्रखर केराकत जौनपुर। नगर निकाय चुनाव का बिगुल बजते ही सियायसी गलियारों ने हलचल बढ़ गई है सभी पार्टियों ने अपने अपने प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतार चुकी है ऐसे में केराकत नगर निकाय चुनाव में पहली बार नगर निकाय चुनाव की कुर्सी पर सपा से अशोक साहू ने अपना परचम लहराया था।जिसे देखते हुए पार्टी ने दोबारा मीना साहू को चुनावी मैदान में उतारा पहली बार की तरह दूसरी बार भी केराकत में नगर अध्यक्ष की कुर्सी पर सपा की जीत हुई। इस बार चुनाव में पिछड़ा वर्ग महिला सीट घोषित होते ही सपा में प्रत्याशी को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है कई दावेदारों ने अपनी दावेदारी पार्टी आलाकमान को सौंपी थी। रविवार की शाम होते होते सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए तीसरी बार सपा अलाकामना ने

मीना साहू का अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया।सोमवार को विधायक तूफानी सरोज की मौजूदगी में सपा प्रत्याशी मीना साहू ने अपना नामांकन किया।नामांकन करने के बाद मीना साहू ने लोगो से जनसंपर्क किया तो वही नीरज पहलवान के नेतृत्व में कार्यकताओं ने नगर भर में जुलूस निकाला। इस बाबत उम्हीने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी केराकत निकाय चुनाव में सपा की जीत होगी। नगर की जनता का प्यार व स्नेह तीसरी बार मिलने जा रहा हमने नगर का विकास किया है और आगे भी करते रहेंगे।वही नीरज पहलवान ने कहा कि केराकत की जनता का इस बार भी सपा प्रत्याशी को जीतकर नगर अध्यक्ष बनाएगी अब समाजवादियों का दिन आने वाला है हर कोई धाराशाही होगा जिले ने एक बार फिर सपा का झंडा लहराएगा। इस अवसर पर पंधारी यादव, सुभाष यादव, मनोज चौहान, गुड्डू चौहान, राजीव कुमार साहू, कायम खान, संतराम मास्टर, मुनीर अहमद, सुरेश यादव व अफरोज।

जय माँ वैष्णो क्रशर स्टोन का हुआ भव्य उद्घाटन

प्रखर अहरौरा, मिजार्पुर। क्षेत्र के बाराडीह (भण्डारी देवी मंदिर पहाड़ के पास) जय माँ वैष्णो क्रशर स्टोन का फीता काटकर हुआ भव्य उद्घाटन। प्रो. सत्येंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि हमारे यहां सभी प्रकार के गिट्टी, चौका पटिया भक्सी जैसे स्टोन से सम्बंधित तमाम प्रकार के सामान उपलब्ध क्रशर स्टोन उद्घाटन समारोह में पहूंचे, हरिनारायण सिंह प्रदेश मंत्री विश्व हिंदू महासंघ) और महेंद्र नाथ सिंह (दैनिक जागरण के वरिष्ठ पत्रकार), हजारी प्रसाद सिंह, रणविजय सिंह (व्यापारी लखनऊ), छत्रबलि सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष चंदौली, नागेश सिंह एडवोकेट (प्रबधंक- स्वर्गीय डॉ. श्रीकुबेर सिंह पी. जी. कालेज व वरिष्ठ समाजसेवी), ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह (धीरज सिंह), जितेंद्र कुमार में साथ दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की मनायी गयी जयंती

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। चंद्रशेखर जी पूर्व प्रधानमंत्री भारत सरकार की शक्तिपीठ आश्रम सारनाथ से मनाई गई जयन्ती उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अरविंद सिंह वरिष्ठ पत्रकार समाजसेवी ने कहा कि चन्द्रशेखर जी राष्ट्र पुरूष थे मेरे जैसे लाखों युवाओं के प्रेरणाश्रोत थे विशिष्ट अतिथि रूपेश सिंह ने कहा कि चन्द्रशेखर जी सादगी की प्रतिमूर्ति थे कार्यक्रम की अध्यक्षता गुप्तेश्वर सिंह शास्त्री ने कहा कि भारत पद यात्रा में मैं उनके साथ पैदल चल रहा था चन्द्रशेखर जी हर व्यक्ति से आत्मीय लगाव रखते थे मुख्य वक्ता संजीव झा ने कहा चन्द्रशेखर जी जैसा सरल सुलभ व्यक्ति थे। कार्यक्रम का संचालन चन्द्रशेखर फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिमांशु सिंह ने कहा कि चन्द्रशेखर जी बहुत बड़े पर्यावरण प्रेमी थे उन्ही की प्रेरणा से चन्द्रशेखर फाउंडेशन पर्यावरण को बचाने के लिए पूरे भारत मे पौधरोपण कार्यक्रम अनवरत चलाता आ रहा है कार्यक्रम का संचालन चंद्रशेखर फाउंडेशन के महासचिव विजय शेखर सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शत्रुध्न सिंह , डम्पी तिवारी उर्फ बाबा तिवारी , अरुण पांडेय , किरण पांडे , आकांक्षा गुप्ता जी, समीक्षा मिश्रा, श्वेता राय, कनक जी, जनार्दन सिंह ,नौगढ़ जनाब, हसीन साहब, जनाब शाहिद खान ,रुद्राक्ष ,मोनू उपस्थित रहे।

किसान नेता सिद्धनाथ सिंह ने सभापति उपसभापति समेत सदस्यों को किया सम्मानित

प्रखर अहरौरा, मिजार्पुर। क्षेत्रीय सहकारी समिति लि. सोनपुर के नव निर्वाचित सभापति व उपसभापति का भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह द्वारा सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को माल्यार्पण व अंगवस्त्र देकर भव्य स्वागत किया गया। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह ने सोनपुर के क्षेत्रीय सहकारी समिति लि. के सभापति माया देवी व उपसभापति सदानन्द सिंह, संचालक सुधाकर सिंह, विनोद कुमार सिंह, संतोष कुमार सिंह, ओमप्रकाश, रामबाबु को अंगवस्त्र व माल्यार्पण कर भव्य स्वागत करते हुए कहा कि क्षेत्रीय सहकारी समिति लि. सोनपुर में अब अच्छे से खाद्य व गेंहू, धान की खरीद ईमानदारी पूर्वक क्रय किया जाएगा। जिससे किसानों के हित मे बहुत होगा। इस स्वागत समारोह कार्यक्रम के संचालन भाकियू प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय सहकारी समिति सोनपुर के सचिव समरजीत सिंह, आंकिक बाले जी, भारतीय किसान यूनियन के युवा जिलाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष स्वामी दयाल सिंह, जिला सचिव रामश्रृंगार सिंह, कुँवर आनन्द सिंह (ग्राम प्रधान अतरौली बभनी), भवन सिंह, पूर्व अध्यक्ष, चौधरी जयपाल सिंह (जिला पंचायत सदस्य), प्रदीप सिंह, अवधेश सिंह, गुरुशंकर सिंह के साथ दर्जनों भाकियू के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

चहारदीवारी गिराने पर चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के नेवादा (मंगारी) में बीती रात पट्टीदारों द्वारा 6 फिट ऊची चहारदीवारी को ढहा दिया। पीड़ित ने इस बाबत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पीड़ित सूर्यभान सिंह ने आरोप लगाया कि रात्रि 10 बजे पट्टीदारों ने 6 फिट ऊची और 40 फिट लम्बी चहारदीवारी को रात 10 बजे ढहा दिया। उसके बाद कब्जे का प्रयास किया। हम सब परिवार समेत रामनगर वाराणसी में रहते हैं। पड़ोसियो के सूचना पर सुबह पहुचा और पूछा तो मारपीट के आमादा हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया।

घर के सामने खड़ी बाइक हुई चोरी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा थाना क्षेत्र के बसन्तपुर गांव में बीती रात चोरों ने घर के सामने खड़ी पैशन प्रो बाइक व पर्स में रखे नगदी सहित अन्य सामान चुरा ले गए। पुलिस को दिए तहरीर में राकेश प्रजापति ने आरोप लगाया कि घर के बाहर खड़ी बाइक सुबह गायब मिली और सीढ़ी के सहारे छत और फिर कमरे में घुस कर चोरों ने जेब मे रखे पर्स को चुरा ले गए। जिसमे 6 हजार नगद तथा आधार कार्ड व पैन कार्ड को चुरा ले गए। पुलिस ने 380 व 457 के तहत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

दरगाह में लगी आग की जांच हेतु समिति गठित

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड ने मध्य कश्मीर के श्रीनगर जिले के दरगाह हजरतबल इलाके में आग लगने की घटना की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। आग की घटना से इलाके में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और आठ घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड के ही हैं। वक्फ बोर्ड ने आदेश में कहा कि अतीत में हजरतबल श्रीनगर में वक्फ संपत्ति के अवैध हस्तांतरण के गंभीर आरोपों के मद्देनजर और वक्फ कर्मियों और किरायेदारों की कथित लापरवाही के कारण आग लगी है।

मुंबई में हीट स्ट्रोक से मरने वालों की संख्या बढ़कर 13

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सामाजिक कार्यकर्ता अप्पासाहेब धर्माधिकारी के सम्मान समारोह में लू के कारण 13 प्रशंसकों की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए सोमवार को मृतकों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री शिंदे ने कहा कि अप्पा साहेब धर्माधिकारी के 13 प्रशंसकों की उपचार के दौरान मौत होना अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। राज्य सरकार मृतकों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपए की सहायता देगी और अस्पताल में इलाज करा रहे सदस्यों के इलाज का खर्च वहन करेगी।

बांग्लादेश में दो ट्रेनें पटरी से उतरी, 12 लोग घायल

ढाका, (एजेंसी)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका से लगभग 96 किलोमीटर दूर कुमिला जिले में दो ट्रेनों के सात डिब्बे पटरी से उतर जाने से कम से कम 12 लोग घायल हो गये। कुमिला के नांगलकोट थाने के सूत्रों ने शिन्हुआ को बताया कि चटगांव से ढाका जा रही एक यात्री ट्रेन के पांच डिब्बे रविवार को स्थानीय समयानुसार शाम लगभग 6:30 बजे हसनपुर रेलवे स्टेशन पर एक मालगाड़ी को पीछे से टक्कर मारने के बाद पटरी से उतर गए। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। अधिकारी के अनुसार, ट्रेन के पटरी से उतरने के बाद ढाका को देश के अन्य इलाकों से जोड़ने वाला रेल संपर्क घंटों तक बाधित रहा।

अमेरिका में गोलीबारी में चार की मौत, कई घायल

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। अमेरिका के डेडविल के छोटे अलबामा शहर में गोलीबारी में चार लोग की मौत हो गई और कम से कम 20 से अधिक घायल हो गए। स्थानीय टीवी स्टेशनों ने यह जानकारी दी है। टीवी स्टेशन डब्ल्यूआरबीएल ने अलबामा कानून प्रवर्तन एजेंसी की विज्ञप्ति का हवाला देते हुए रविवार को बताया कि गोलीबारी शनिवार देर रात साढ़े दस बजे के करीब हुई थी। स्थानीय रिपोर्ट में कहा गया कि जन्मदिन की पार्टी के दौरान एक डांस स्टूडियो में नाचने-गाने के दौरान गोलियां चली। गोली मारने के कारण का अभी तक पता नहीं चला है और अभी तक किसी को भी हिरासत में नही लिया गया है।

आज का इतिहास

- **1612:** मुगल बादशाह शाहजहां ने मुमताज से निकाह किया।
- **1621:** सिक्खों के नौवें गुरु गुरु तेग़ बहादुर का जन्म हुआ।
- **1859:** वर्ष 1857 विद्रोह के नेता तात्यां तोपे को फांसी दी गयी।
- **1906:** सैन फ्रांसिस्को में भूकंप और आग से लगभग 4000 लोगों की मौत।
- **1917:** महात्मा गांधी ने सत्याग्रह के लिए बिहार के चंपारण का चयन किया।
- **1930:** सूर्य सेन उर्फ मास्टर दा और इंडियन रिपब्लिकन आर्मी के 62 लोगों ने चटगांव शस्त्रागार पर धावा बोला।
- **1948:** नीदरलैंड के हेग में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का गठन हुआ।
- **1950:** विनोबा भावे ने आंध्र प्रदेश (अब तेलंगाना) के पचमपल्ली गाँव से भूदान आंदोलन की शुरुआत की।
- **1955:** महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का निधन हुआ।
- **1972:** देश का पहला जंबो जेट सम्राट अशोक विमान 747 मुंबई में उतरा।

घर पूरा होने पर आतिशबाजी

उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग में 10,000 घरों के पूरा होने पर आतिशबाजी की गई। इस समारोह में और घरों के निर्माण के पूरा होने के अवसर पर लोगों ने एक समारोह में भाग लिया। उत्तर कोरिया ने पिछले साल फरवरी में 2025 तक प्योंगयांग में 50,000 नए घरों या 10,000 इकाइयों के निर्माण के लिए पांच साल की परियोजना के तहत निर्माण शुरू करने के लगभग एक साल बाद यह समारोह आयोजित किया। राजधानी में 50,000 फ्लैटों का निर्माण लंबे समय से चली आ रही योजना है जिसे सत्ताधारी पार्टी और राज्य द्वारा नागरिकों को अधिक स्थिर रहने की स्थिति प्रदान करने के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। आर्थिक उपलब्धियों का निर्माण करने और प्रतिबंधों और कोविड-19 सीमा प्रतिबंधों से आर्थिक कठिनाइयों के बीच लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए किम द्वारा आवास परियोजना को संचालित किया जा रहा है। उत्तर कोरिया ने प्योंगयांग में 20,000 नए घरों का निर्माण किया है। पिछले साल, देश ने सोंगसिन और सोंघवा क्षेत्रों में 10,000 अपार्टमेंट और 80 मंजिल की गगनचुंबी इमारत का निर्माण किया। उत्तर कोरिया वर्तमान में आवास परियोजना के दूसरे चरण के तहत पूर्वोत्तर प्योंगयांग के ह्वासोंग जिले में फ्लैटों की एक और 10,000 इकाइयां बनाने पर काम कर रहा है।

भाजपा के नेता शेट्टार ने थामा कांग्रेस का दामन

भाजपा पर लगाया अपमानित करने का आरोप

बेंगलुरु ■ एजेंसी

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कद्दावर नेता जगदीश शेट्टार सोमवार को यहां औपचारिक रूप से कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। श्री शेट्टार ने रविवार को भाजपा का दामन छोड़ दिया था।

श्री शेट्टार ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मुझे उस पार्टी से जबरन बाहर निकाला गया जिसे मैंने बनाया था। मैं कांग्रेस की विचारधारा और सिद्धांतों को स्वीकार करते हुए उसमें शामिल हो रहा हूं।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार और विपक्ष के नेता सिद्धारमैया ने उनका स्वागत किया। श्री शेट्टार सोमवार सुबह बेंगलुरु में कांग्रेस कार्यालय पहुंचे।श्री शिवकुमार ने कहा कि जगदीश शेट्टार की ओर से कोई मांग नहीं की गई है, हम उन्हें कुछ भी नहीं दे रहे हैं। उन्हें (जगदीश शेट्टार) पार्टी के सिद्धांतों और नेतृत्व के अनुसार चलना होगा। हम देश को एकजुट रखना चाहते हैं और इसे केवल कांग्रेस ही ऐसा कर सकती है। इस बीच रविवार को प्रदेश भाजपा नेता बी एस येदियुरप्पा ने विधान चुनाव के लिए टिकट नहीं मिलने के बाद पार्टी छोड़ने के श्री शेट्टार के फैसले की कड़ी आलोचना की थी।

भाजपा की 10 प्रत्याशियों की तीसरी सूची जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की। 10 उम्मीदवार शामिल हैं। हुबली-धारवाड़ सेंट्रल सीट से महेश तेंगिनाकाई को मैदान में उतारा, जहां से अब पार्टी छोड़ चुके पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार विधायक रहे थे। भाजपा ने राज्य की 224 विधानसभा सीट में से 222 पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। कर्नाटक के कई विधानसभा क्षेत्रों में टिकट न मिलने से नाराज उम्मीदवारों की बगावत ने भाजपा के नेतृत्व को सकते में डाल दिया है।

जाति जनगणना पर कांग्रेस ने तेज की मुहिम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जातिगत जनगणना के मुद्दे पर मुहिम तेज करते हुए कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए बड़ा दांव चल दिया है। रविवार को कर्नाटक में राहुल गांधी ने पीएम मोदी को 2011 में यूपीए सरकार के समय हुए जाति जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक करने की चुनौती दी तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर जातिगत जनगणना करवाने की मांग कर डाली। कांग्रेस ने नारा भी दिया है 'जितनी आबादी, उतना हक'।

ओबीसी के मुद्दे पर राहुल गांधी का पलटवार: मोदी सरनेम पर टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी को हुई सजा के बाद भाजपा इसे ओबीसी का अपमान बता कांग्रेस को घेर रही थी। अब कर्नाटक के कोलार में पलटवार करते हुए राहुल गांधी ने कह दिया है कि यदि पीएम मोदी जाति जनगणना के आंकड़े नहीं बताते तो यह ओबीसी का अपमान होगा। राहुल गांधी ने एससी, एसटी को आबादी के अनुपात में आरक्षण देने और आरक्षण पर 50 फीसदी की अधिकतम सीमा को खत्म करने की मांग भी कर डाली।

कर्नाटक चुनाव में आरक्षण फैक्टर: कर्नाटक चुनाव में बीजेपी ने एससी, एसटी आरक्षण बढ़ाने का दांव चला है। इसकी काट में कांग्रेस आबादी के मुताबिक, आरक्षण की बात कर रही है।

जाति जनगणना के सहारे विपक्षी एकजुटता

जाति जनगणना के मुद्दे पर विपक्षी एकजुटता की नींव भी डालने की कोशिश की जा रही है। जातिगत जनगणना का मुद्दा विपक्षी गठबंधन के साझा न्यूनतम कार्यक्रम में काफी अहम रहने वाला है। सूत्रों के मुताबिक, बीते दिनों नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के साथ खरगे और राहुल गांधी की मुलाकात में भी इसको लेकर चर्चा हुई। नीतीश सरकार बिहार में जातिगत जनगणना करवा रही है। अखिलेश यादव जैसे ओबीसी नेता भी इसके पक्ष में हैं। जाहिर है यह मुद्दा कई गैर बीजेपी दलों को साथ ला सकता है।

चार सैनिकों की हत्या के आरोप में सेना का जवान हिरासत में

बठिंडा, (एजेंसी)। पंजाब के बठिंडा मिलिट्री स्टेशन में चार सैन्यकर्मियों की हत्या के मामले में पुलिस ने सेना के जवान देसाई मोहन को हिरासत में लिया है।

बठिंडा मिलिट्री स्टेशन गोलीबारी

हत्याकांड के दिन 12 अप्रैल को घटना के चश्मदीद गनर देसाई मोहन ने मेजर आशुतोष शुक्ला को बताया था कि उसने दो लोगों को उस बैरक से बाहर आते देखा है, जहां जवान शहीद हुए थे। उसने बताया था कि दोनों नकाबपोश सैन्य थाने के अंदर वन क्षेत्र की ओर भाग गए थे। पांच दिन की पुलिस जांच के दौरान यह बात सामने आई कि चारों कर्मी देसाई मोहन को परेशान कर रहे थे और उसने उनकी हत्या कर दी।

हेट स्पीच: भाजपा नेताओं पर दर्ज हो एफआईआर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने माकपा नेता बृंदा करात द्वारा दायर याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। इस याचिका में 2020 में दिल्ली दंगों के दौरान कथित रूप से नफरत फैलाने वाले भाषणों के लिए भाजपा नेताओं अनुराग ठाकुर और परवेश वर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई थी।

जस्टिस केएम जोसेफ और बीवी नागरत्ना की पीठ ने शहर की पुलिस को नोटिस जारी किया और तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। सुनवाई के दौरान पीठ ने पाया कि प्रथम दृष्टया मजिस्ट्रेट का यह कहना कि दोनों भाजपा नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए मंजूरी की आवश्यकता है, सही नहीं था। पिछले साल 13 जून को, दिल्ली हाईकोर्ट ने माकपा नेताओं बृंदा करात और केएम तिवारी द्वारा भाजपा के दो सांसदों के खिलाफ उनके कथित घृणास्पद भाषणों के लिए दायर याचिका को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए कहा था कि कानून के तहत मौजूदा तथ्यों में एफआईआर दर्ज करने के लिए सक्षम प्राधिकारी से मंजूरी लेनी जरूरी है। याचिकाकर्ताओं ने ट्रायल कोर्ट के समक्ष अपनी शिकायत में दावा किया था कि ठाकुर और वर्मा ने लोगों को उकसाने की कोशिश की थी। जिसके परिणामस्वरूप दिल्ली में दो अलग-अलग विरोध स्थलों पर गोलीबारी की तीन घटनाएं हुई।

बृंदा करात की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को जारी किया नोटिस

महिला को स्वर्ण मंदिर में प्रवेश से रोका गया

चेहरे पर राष्ट्रीय ध्वज का टैटू

अमृतसर, (एजेंसी)। एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के कर्मचारी चेहरे पर राष्ट्रीय ध्वज के टैटू वाली महिला पर्यटक को स्वर्ण मंदिर में प्रवेश करने से रोक रहे हैं, स्वर्ण मंदिर को हरमंदिर साहिब के नाम से भी जाना जाता है।

महिला ने दावा किया कि उसे तिरंगा टैटू की वजह से प्रवेश से वंचित कर दिया गया था। जिस सेवादार, एसजीपीसी कर्मचारी ने प्रवेश से इनकार कर दिया था, जब महिला ने कहा कि यह भारतीय ध्वज है तो उसे कथित तौर पर यह कहते हुए सुना गया कि यह पंजाब है, भारत नहीं। 40 सेकंड के वीडियो क्लिप में महिला के साथ गए दो लोगों को गार्ड से यह कहते सुना जा सकता है कि क्या स्वर्ण मंदिर भारत में नहीं है? यह पूछे जाने पर कि महिला को पवित्र मंदिर में प्रवेश की अनुमति क्यों नहीं दी गई, उन्होंने महिला के चेहरे पर बनाए गए ध्वज की ओर इशारा किया।

तेजी से बढ़ रहे हैं कोरोना के मामले

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में एक बार फिर तेजी देखी जा रही है। एक बार फिर से टेंशन बढ़ गई है। कोरोना संक्रमण थमने का नाम नहीं ले रहा है। इन दिनों नए संक्रमित मरीजों की संख्या औसतन 10,000 से ज्यादा आ रही है। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 10,093 नए मामले सामने आए हैं, जबकि अलग-अलग राज्यों से कुल 19 मौतों की जानकारी मिली है। इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या 57,542 हो गई है। महाराष्ट्र में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 660 नये मामले दर्ज के गए है। इस दौरान 2 लोगों की मौत की खबर सामने आई है।

पिछले 24 घंटों में 10,093 नए मामले मिले , 19 की मौत

बढ़ रही है संख्या: देश में रोजाना संक्रमण की दर भी 5.61 फीसदी हो गई है, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 4.78 फीसदी है। देश में पिछले 24 घंटे में 19 कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत हो गई है। अब तक कुल 5,31,114 संक्रमित मरीजों की मौत हो चुकी है। फिलहाल मृत्यु दर 1.19 फीसदी है।

सूडान में संघर्ष जारी 97 लोगों की मौत

खार्तूम, (एजेंसी)। सूडान की राजधानी खार्तूम में सतत तीसरे दिन संघर्ष जारी है जिसमें मृतक संख्या बढ़कर 97 हो चुकी है, जबकि 1,100 से अधिक नागरिक घायल है। सूडान की तनावपूर्ण स्थिति को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदायों में व्यापक चिंता है, यूएन, अफ्रीकी संघ, अरब लीग और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने तत्काल संघर्ष विराम करने का आह्वान किया है। खार्तूम और अन्य शहरों में सूडानी सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच शनिवार को हिंसक झड़प हुई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर संघर्ष शुरू करने का आरोप लगाया। उत्तरी सूडान में बुधवार से दोनों सैन्य बलों के बीच तनाव बढ़ गया, क्योंकि आरएसएफ ने सैन्य वाहनों को सैन्य हवाई अड्डे के पास स्थानांतरित किया जिसे सेना अवैध मानती है।

सूडान में तनाव को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदायों में चिंता

सूडानी सेना व आरएसएफ के बीच गहरे मतभेद हैं, विशेष रूप से सेना में उनका एकीकरण करने के बारे में जैसा कि पांच दिसंबर, 2022 को सैन्य च नागरिक नेताओं के बीच करार के माध्यम से निर्धारित किया गया है।

पीएमएल-एन व विपक्षी पीटीआई परोक्ष बातचीत के लिए राजी

पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) की अगुवाई वाले सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्षी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने परोक्ष बातचीत के लिए समितियों का गठन किया है। इससे संकेत मिलता है कि एक साल से अधिक वक्त के तनाव के बाद दोनों सियासी पक्षों के बीच सुलह समझौते की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मीडिया में आई एक खबर में सोमवार को यह जानकारी दी गई। जमात-ए-इस्लामी (जेआई) प्रमुख सिराज-उल-हक की मदद से दोनों पक्षों के बीच गतिरोध तोड़ा जा सका है। हक ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पीटीआई प्रमुख इमरान खान से शनिवार को अलग अलग मुलाकात की थी और कहा था कि चुनाव के मुद्दे पर बातचीत के लिए दोनों पक्षों से ह्लसकारात्मक प्रतिक्रियाह्व मिली है। अब दोनों दल सीधे बातचीत के बजाय-जेआई के जरिए वार्ता करेंगे। पीएमएल-एन ने बातचीत की जिम्मेदारी अयाज सादिक और साद रफीक को दी है जबकि पीटीआई ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया जिसमें परवेज खट्टक, महमूदुर रशीद और एजाज चौधरी शामिल हैं। डॉन अखबार ने पीएमएल-एन के सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि सादिक और रफीक को बातचीत के लिए जेआई से संपर्क करने की अनुमति दी गई। हालांकि, पीटीआई ने आम चुनाव की तारीख की मांग के अपने रुख को दोहराया है। सीनेटर एजाज चौधरी ने डॉन को बताया कि पीटीआई ने देश भर में चुनावों को लेकर सभी विपक्षी पार्टियों को भरोसे में लेने के लिए विचार-विमर्श शुरू कर दिया है। चौधरी ने कहा कि पीटीआई पहले ही जेआई, तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) और ग्रैंड डेमोक्रेटिक अलायंस (जीडीए) के साथ बैठक कर चुकी है। जब मियां महमूदुर रशीद से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि खान और हक के बीच बैठक में सहमति बनी है कि देश में गंभीर राजनीतिक गतिरोध को बातचीत के जरिए समाप्त किया जाना चाहिए। रशीद ने कहा, ह्ल सभी दल भले ही अपने-अपने दृष्टिकोण पर अटल रहें, लेकिन अब वक्त आ गया है कि राजनीतिक दल मुल्क और लोगों को सबसे खराब राजनीतिक और आर्थिक गतिरोध से बचाने के लिए बीच का रास्ता निकालने की समझदारी दिखाएं।

बारामुला में छह तस्करों को किया गया गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सोमवार को बारामुला जिले में छह मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार करने और उनके पास से चरस और ब्राउन शुगर बरामद करने का दावा किया।

चार किलो डोडा चूरा मिला

पुलिस ने कहा कि उसने कछवा मुकाम चंदूसा में जांच के दौरान वागूरा निवासी आमिर हुसैन डार नामक तस्कर को गिरफ्तार किया और उसके पास से 50 ग्राम चरस बरामद करके उसे हिरासत में लिया गया। एक अन्य तस्कर फिरोजपोरा तंगमार्ग निवासी परवेज अहमद लोन को नियमित जांच के दौरान फिरोजपोरा तंगमार्ग में 30 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने गोशबुग निवासी अब्दुल हमीद नजर को भी मादक पदार्थ की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया, वह दुर्हामा से क्रीरी जा रहा था और पुलिस को देखते ही भागने का कोशिश की लेकिन उसे पकड़ लिया गया। उसके बैग की तलाशी में चार किलोग्राम प्रतिबंधित डोडा चूरा और एक ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई।

साख भारत की अध्यक्षता में जी-20 देशों की हो चुकी हैं सौ बैठकें

जी-20 की अध्यक्षता में तय हुई आधी यात्रा

देश के 28 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के 41 शहरों के 60 स्थानों पर आयोजित की गई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत की अध्यक्षता में जी-20 देशों की सौ बैठकें हो चुकी हैं और ये बैठकें देश के 28 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के 41 शहरों के 60 स्थानों पर आयोजित की गयीं जहां मेहमान देशों के प्रतिनिधियों को भारत की सांस्कृतिक एवं सामाजिक विविधता के साथ साथ आर्थिक विकास को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करने का मौका भी मिला। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सोमवार को वाराणसी में जी-20 की सौवीं बैठक, कृषि प्रमुख वैज्ञानिकों (एमएसीएस) की बैठक की मेजबानी के साथ अपनी जी-20 अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मना रहा है। गोवा में दूसरा स्वास्थ्य कार्यसमूह, हैदराबाद में दूसरा डिजिटल इकोनॉमी कार्यसमूह और शिलांग में स्पेस इकोनॉमी लीडर्स प्रीकर्सर मीटिंग भी आज आयोजित की जा रही है।

1 दिसंबर 2022 से शुरू हुई बैठक

गत वर्ष 16 नवंबर को जी-20 वाली शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जी-20 की अध्यक्षता सौंपी गई थी। अध्यक्षता सौंपे जाने के बाद, भारत की साल भर चलने वाली जी-20 अध्यक्षता 01 दिसंबर, 2022 को शुरू हुई और 30 नवंबर, 2023 तक जारी रहेगी। इससे पहले 8 नवंबर, 2022 को प्रधानमंत्री ने जी-20 का प्रतीक ग्रिन को जारी किया था और भारत की जी-20 अध्यक्षता की थीम - 'वसुधैव कुटुम्बकम' यानी - 'वन अर्थ. वन फैमिली. वन फ्यूचर' का अनावरण किया था। जी 20 लोगो को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रंगों में डिजाइन किया गया, जो हमारे पृथ्वी-समर्थक दृष्टिकोण और चुनौतियों के बीच विकास का प्रतीक है। जी-20 समूह में 19 देश (अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य शामिल है।

संक्षिप्त खबरें

एनसीएलटी की मंजूरी

नयी दिल्ली। आर्सेलरमित्तल इंडिया ने सोमवार को कहा कि उसकी अनुषंगी एएम माइनिंग इंडिया की तरफ से इंडियन स्टील कारपोरेशन के अधिग्रहण के लिए पेश कर्ज समाधान प्रस्ताव को राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने स्वीकृति दे दी है। आर्सेलरमित्तल इंडिया ने एक बयान में कहा कि वह इंडियन स्टील कारपोरेशन (आईएससी) के बारे में एनसीएलटी की मुंबई पीठ के आदेश का स्वागत करती है। इसके साथ ही उसने हाल ही में पारित कर्ज समाधान प्रस्ताव को विधिवत लागू करने की मंशा भी जताई। हालांकि आर्सेलरमित्तल ने कर्ज समाधान योजना के किसी ब्योरे की जानकारी नहीं दी।

अशोक लेलैंड को ठेका

मुंबई। वाणिज्यिक वाहन कंपनी अशोक लेलैंड को वीआरएल लाजिस्टिक्स लिमिटेड (वीआरएल) से 1,560 ट्रक का ठेका मिला है। कंपनी ने सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया है। अशोक लेलैंड ने सोमवार को कहा कि यह आर्डर एवीटीआर 3120 और एवीटीआर 4420 टीटी ट्रक के माडल के लिए है। इनमें वीआरएल के बड़े होते बेड़े की प्रभावशीलता और लाभप्रदता को बढ़ाने के लिए सभी आधुनिक खूबियां होंगी। अशोक लेलैंड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी शेनू अग्रवाल ने कहा, 'वीआरएल और अशोक लेलैंड के बीच पुराना जुड़ाव रहा है।

आनलाइन प्रापर्टी खोज बढ़ी

नई दिल्ली/लखनऊ। हाउसिंग डाट काम यूपी की राजधानी में अगले 2 से 3 सालों में अपनी आमदनी और कर्मचारियों की संख्या को दोगुना करना चाहती है। कंपनी के बिजनेस हेड अमित मसलदन ने कहा कि 'टियर 2 शहरों में इंडिपेंडेंट होम्स की तुलना में अपार्टमेंट के लिए आनलाइन प्रापर्टी की खोज तेजी से बढ़ रही है। आनलाइन सर्च के रुझान दर्शाते हैं कि शहीद पथ, फैजाबाद रोड, सुल्तानपुर रोड और सीतापुर रोड के अलावा शहर के पूर्वी हिस्से में स्थित लोकेलिटी के लिए आनलाइन सर्च में उछाल देखा गया है। कंपनी की रिसर्च हेड सुश्री अंकिता सूद ने कहा कि टियर 2 प्रापर्टी बाजारों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिली है।

औद्योगिक पार्क बनेगा

नई दिल्ली। ईएसआर समूह ने गुजरात में 38 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया है। कंपनी यहां औद्योगिक पार्क एवं गोदाम पार्क विकसित करने के लिए 400 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी ने बताया कि यह परियोजना गुजरात के साणंद में स्थित है और यहां दस लाख वर्गफुट क्षेत्र में निर्माण एवं विकास पर करीब 400 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। कंपनी गुजरात में दूसरी बार निवेश करेगी। इससे पहले ईएसआर समूह ने जालिसना में 37 एकड़ की परियोजना में निवेश किया था। ईएसआर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अभिजीत मल्कानी ने कहा, 'सबसे ज्यादा एफडीआई पाने वाले राज्यों में गुजरात भी है।

टाटा पावर डीडीएल का करार

नई दिल्ली। बिजली वितरण कंपनी टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टाटा पावर डीडीएल) ने जलविद्युत की आपूर्ति के लिए एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम के साथ समझौता किया है। इस बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के तहत एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम अगले पांच वर्षों तक गर्मी के महीनों के दौरान मई से सितंबर तक बिजली की अधिकतम मांग को पूरा करने के लिए हर साल 200 मेगावाट जलविद्युत की आपूर्ति करेगी। टाटा पावर डीडीएल उत्तरी दिल्ली में 70 लाख से अधिक आबादी को बिजली की आपूर्ति करती है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि टाटा पावर डीडीएल ने अनुमानित अधिकतम मांग को पूरा करने के लिए एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड के साथ बिजली खरीद समझौता किया है।

नेक्सस सेलेक्ट की योजना

नई दिल्ली। वैश्विक निवेश कंपनी ब्लैकस्टोन प्रायोजित नेक्सस सेलेक्ट ट्रस्ट की अगले चार-पांच वर्षों में अधिग्रहण के जरिए शापिंग माल के अपने पोर्टफोलियो को दोगुना कर दो करोड़ वर्ग फुट करने की योजना है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। नेक्सस सेलेक्ट ट्रस्ट ने वित्त वर्ष 2015-16 से अब तक 17 शापिंग माल खरीदे हैं। नेक्सस सेलेक्ट ट्रस्ट के दक्षिण दिल्ली में पांच लाख वर्ग फुट के 'सेलेक्ट सिटी वाक' माल समेत 17 शापिंग माल रीट (रियल एस्टेट निवेश न्यास) ढांचे के तहत हैं। कंपनी की आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की भी योजना है।(एजेंसी)

ब्याज दरें बढ़ने से कर्ज अदायगी में चूक कर सकते हैं लघु उद्योग

■ जोखिम में फंस सकते हैं संपत्ति के बदले दिये गए कर्ज : मूडीज ■ ब्याज दरें बढ़ने से लघु उद्योगों पर पर बढ़ा है कर्ज का बोझ

वाशिंगटन (भाषा)।

ब्याज दरों में वृद्धि के कारण पुनर्भुगतान राशि बढ़ गई है और संपत्ति के बदले कर्ज लेने वाले एसएमई (लघु एवं मझोले उद्यम) कर्जदारों के लिए पुनर्वित्त के विकल्प सीमित हो गए है। ऐसे में इन कर्ज को लेकर चूक का जोखिम बढ़ गया है।

मूडीज इंवेस्टर्स सर्विस ने सोमवार को यह आशंका जाहिर की। मूडीज ने कहा, 'यहां तक कि अगर आरबीआई नीतिगत दर में वृद्धि अब रोक देता है, तो भी पुनर्भुगतान की राशि एसएमई कर्जदारों की ऋण चुकाने की क्षमता पर भार डालेगी। इसके अलावा, पिछले वर्ष ब्याज दर में हुई बढ़ोतरी ने इस संभावना को कम कर दिया है कि संपत्ति के बदले कर्ज ले रखे कर्जदार ऋण अदायगी में परेशानी होने पर अधिक उदार शर्तों पर पुनर्वित्त प्राप्त करने में सक्षम होंगे।' एजेंसी ने कहा कि पिछले एक साल में ब्याज दरों में बढ़ोतरी ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए वित्त पोषण की लागत में वृद्धि की है।

- पिछले साल ब्याज दरों में वृद्धि से बढ़ी थीं एनबीएफसी की मुश्किलें
- एनबीएफसी की लागत में हुई थी खासी बढ़ोतरी
- इससे एनबीएफसी ने लघु उद्योगों के लिए महंगा कर दिया था कर्ज
- आगे भी रिजर्व बैंक बढ़ा सकता है ब्याज दरें

एनबीएफसी ने वित्त पोषण की लागत बढ़ने पर संपत्ति के बदले कर्ज लेने वाले छोटे और मझोले उद्यमों से संबंधित कर्जदारों के लिए ब्याज दरों में वृद्धि की है। ऐसे में यह आशंका बढ़ रही है कि ये कर्ज अदा करने में चूक कर सकते है।

रुपया 25 पैसे टूटा

मुंबई (भाषा)।

विदेशी बाजारों में डालर के मजबूत होने तथा घरेलू शेयर बाजार में कमजोर रुख की वजह से अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को डालर के मुकाबले रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ 82.10 (अस्थायी) प्रति डालर पर पहुंच गया। बाजार सूत्रों ने कहा कि कच्चे तेल कीमतों में तेजी आने से भी रुपया टूटा है।

विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डालर के मुकाबले 81.90 प्रति डालर पर खुला। कारोबार के अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव की तुलना में 25 पैसे की गिरावट के साथ 82.10 (अस्थायी) प्रति डालर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपये में 81.87 के उच्चस्तर और 82.10 के निम्न स्तर के बीच घटबढ़ हुई।

बाजार में नौ दिनों से जारी तेजी थमी

सेंसेक्स 520 अंक टूटा

मुंबई (भाषा)।

लगातार नौ कारोबारी दिनों तक तेजी रहने के बाद सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों के दोनों प्रमुख सूचकांक भारी बिकवाली के दबाव में टूट गए। मुख्य रूप से आईटी, प्रौद्योगिकी एवं दूरसंचार कंपनियों के शेयरों में अधिक बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 520 अंक नुकसान में रहा।

दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के शेयर भारी बिकवाली की वजह से नौ प्रतिशत से ज्यादा टूट गए। इसके अलावा एचडीएफसी लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक के शेयरों के भी गिरने से सूचकांकों में गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 520.25 अंक यानी 0.86 प्रतिशत गिरकर 59,910.75 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान एक समय यह 988.53 अंक तक लुढ़क गया था। इसी तरह नेशनल स्टाक एक्सचेंज का मानक सूचकांक निफ्टी भी 121.15 अंक यानी 0.68 प्रतिशत गिरकर 17,706.85 अंक पर आ गया।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से इंफोसिस में सर्वाधिक नौ प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ उम्मीद से कम रहने से निवेशकों का भरोसा इंफोसिस से कम होता हुआ दिखा। इसके अलावा टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, लार्सन एंड टुब्रो, एनटीपीसी, विप्रो, एचडीएफसी, टीसीएस और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी गिरावट रही। दूसरी तरफ, नेस्ले, पावरग्रिड, भारतीय स्टेट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ की स्थिति में रही।

मानक सूचकांकों के उलट व्यापक बाजार में बढ़त की स्थिति रही। बीएसई मिडकैप सूचकांक 0.56 प्रतिशत की बढ़त पर रहा जबकि स्मालकैप सूचकांक में 0.13 प्रतिशत का सुधार दर्ज किया गया। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि तिमाही नतीजों की शुरुआत उम्मीद के अनुरूप नहीं रहने और वैश्विक स्तर पर अमेरिकी दस वर्षीय बान्ड प्रतिफल बढ़ने से घरेलू बाजार प्रभावित रहे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में भी आईटी एवं बैंकों के नतीजे बाजार की दिशा तय करेंगे। रिलायंस सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख मितुल शाह ने कहा, 'आईटी शेयरों में गिरावट से भारतीय इक्विटी बाजार नुकसान के साथ बंद हुए।' आईटी सूचकांक 4.77 प्रतिशत और प्रौद्योगिकी सूचकांक 4.56 प्रतिशत गिर गये।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट एवं हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार भी दोपहर के सत्र में सकारात्मक दिशा में कारोबार कर रहे थे।

इंफोसिस का शेयर 9% तक टूटा, बाजार मूल्यांकन 59,349 करोड़ रुपए घटा

नई दिल्ली (भाषा)। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस का शेयर सोमवार को नौ प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके साथ ही कंपनी का बाजार मूल्यांकन 59,349.66 करोड़ रुपए घट गया।

इससे पहले, कंपनी के चौथी तिमाही के वित्तीय परिणाम अनुमान से नीचे रहे थे। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भी राजस्व में 4-7 प्रतिशत की कमजोर वृद्धि का अनुमान जताया है। बीएसई में कंपनी का शेयर 9.40 प्रतिशत गिरकर 1,258.10 रुपए पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान यह 12.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52 हफ्ते के निचले स्तर 1,219 रुपए पर आ गया था। एनएसई में यह 9.37 प्रतिशत गिरकर 1,259 रुपए पर बंद हुआ। इसके साथ ही कंपनी का बाजार मूल्यांकन 59,349.66 करोड़ रुपए घटकर 5,21,930.34 करोड़ रुपए पर आ गया है।

वर्ष 2024-25 तक पूरा होगा पेट्रोल में 20% एथनॉल मिलाने का लक्ष्य

नई दिल्ली (भाषा)।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को भरोसा जताया कि 2024-25 तक 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाने का लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा।

सरकार ने पहले पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाने के लिए 2030 का लक्ष्य तय किया था, हालांकि इसे पांच साल पहले ही हासिल कर लिया जाएगा। सरकार ने फरवरी में 11 राज्यों

और केंद्र शासित प्रदेशों के चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर 20 प्रतिशत एथनॉल मिले पेट्रोल की बिक्री शुरू की थी। इस पहल का मकसद जैव ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है, ताकि उत्सर्जन में कटौती हो और साथ ही बहुमूल्य विदेशी मुद्रा बचे। पुरी ने यहां एक सम्मेलन में कहा, 'मुझे यकीन है कि हम अगले वित्त वर्ष तक 20 फीसदी एथनॉल मिश्रित पेट्रोल की आपूर्ति करने में सक्षम होंगे।'

इस समय पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथनॉल मिलाया जाता है, सरकार 2025 तक इस मात्रा को दोगुना करने की सोच रही है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण से 41,500 करोड़ रुपए के बराबर विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। साथ ही इससे किसानों को भी लाभ हुआ है।

थोक महंगाई दर 29 माह के निम्न स्तर पर

■ मार्च में घटकर 1.34 फीसद पर ■ बढ़ी है खाद्य वस्तुओं की महंगाई

नई दिल्ली (भाषा)।

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति मार्च 2023 में घटकर 29 महीने के निचले स्तर 1.34 प्रतिशत पर आ गई। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

थोक मुद्रास्फीति में गिरावट मुख्य रूप से विनिर्मित वस्तुओं और ईंधन के दामों में कमी के चलते हुई है। हालांकि इस दौरान खाद्य वस्तुओं की महंगाई बढ़ी है। मार्च 2023 लगातार 10वां महीना है जब थोक मुद्रास्फीति में गिरावट दर्ज की गई है। डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति फरवरी 2023 में 3.85 प्रतिशत और मार्च 2022 में 14.63 प्रतिशत थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि मार्च 2023 में मुद्रास्फीति की दर में कमी की मुख्य वजह बुनियादी धातुओं, कुछ खाद्य उत्पादों, कपड़ा, गैर-खाद्य वस्तुओं, खनिज, रबड़ एवं प्लास्टिक उत्पादों, कच्चा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, कागज और कागज से बने उत्पादों के दामों में कमी आना है।'

मार्च में थोक मूल्यों पर आधारित मुद्रास्फीति का आंकड़ा अक्टूबर 2020 के बाद से सबसे कम है। तब मुद्रास्फीति की दर 1.31 प्रतिशत थी। इस बीच, खाद्य वस्तुओं की महंगाई फरवरी के 3.81 प्रतिशत से बढ़कर मार्च में 5.48 प्रतिशत पर पहुंच गई।

- लगातार दसवें माह घटी थोक मुद्रास्फीति
- अक्टूबर 2020 के बाद सबसे कम है दर
- अक्टूबर 2020 में 1.31 फीसद थी दर

यूं तो सब्जियों, प्याज और आलू में मुद्रास्फीति अभी भी शून्य से नीचे है लेकिन मूल्य वृद्धि फरवरी की तुलना में अधिक है।

सब्जियों के दाम मार्च में 2.22 प्रतिशत घटे जबकि फरवरी में इनकी कीमतों में 21.53 प्रतिशत की कमी आई थी। मार्च में प्याज के दाम 36.83 प्रतिशत कम हुए, फरवरी में इनमें 40.14 प्रतिशत की कमी आई थी। गेहूं और दाल के मामले में मुद्रास्फीति क्रमशः 9.16 प्रतिशत और 3.03 प्रतिशत रही जबकि सब्जियां 2.22 प्रतिशत सस्ती हुईं। तिलहन की महंगाई दर मार्च, 2023 में 15.05 प्रतिशत घटी।

इक्विरस सिक्योरिटीज ने कहा कि खाद्य वस्तुओं की श्रेणी में अनाज विशेषकर गेहूं के दामों में कमी आ रही है लेकिन सब्जियां, फल, दूध और दाल जैसी वस्तुओं के दाम बढ़ रहे है। ईंधन और बिजली क्षेत्र में महंगाई फरवरी के 14.82 प्रतिशत से कम होकर मार्च, 2023 में 8.96 प्रतिशत रह गई। विनिर्मित उत्पाद 0.77 प्रतिशत सस्ते हुए जिनकी महंगाई दर पिछले महीने 1.94 प्रतिशत थी। इससे पहले, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति भी मार्च में घटकर 15 महीने के निचले स्तर 5.66 प्रतिशत पर आ गई जो फरवरी में 6.44 प्रतिशत थी।

सोना 80 रुपए चढ़ा चांदी में दर्ज हुई 260 रुपए की बढ़त

नई दिल्ली (भाषा)। वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में मजबूत रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 80 रुपए की मजबूती के साथ 60,660 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी देते हुए कहा कि पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,580 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 260 रुपए की तेजी के साथ 76,040 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, 'दिल्ली बाजार में सोने का हाजिर भाव 80 रुपए बढ़कर 60,660 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया।' अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना तेजी के साथ 2,009 डालर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी भी बढ़त के साथ 25.55 डालर प्रति औंस पर पहुंच गई। सोमवार को एशियाई कारोबार में सोने की कीमतों में तेजी रही। गांधी ने कहा कि कॉमेक्स (जिंस बाजार) में हाजिर सोने की कीमतें 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,009 डालर प्रति औंस हो गयी।

कृषि क्षेत्र की मांग से डीजल बिक्री में उछाल

■ ट्रकों की आवाजाही बढ़ने से भी डीजल की बिक्री में दर्ज की गई है तेजी

नई दिल्ली (भाषा)।

औद्योगिक मांग को पूरा करने के लिए ट्रकों की आवाजाही बढ़ने और कृषि गतिविधियों में तेजी के चलते अप्रैल 2023 के पहले पखवाड़े में डीजल की बिक्री में जोरदार उछाल आया।

मंगलवार को जारी उद्योग के प्रारंभिक आंकड़ों में यह बात कही गई। देश में डीजल सबसे अधिक खपत वाला ईंधन है। ईंधन की कुल मांग में इसकी करीब 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आंकड़ों के अनुसार अप्रैल के पहले पखवाड़े में डीजल की मांग सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 34.5 लाख टन हो गई। मार्च के पहले पखवाड़े के मुकाबले समीक्षाधीन अवधि में डीजल की मांग 8.4 प्रतिशत बढ़ी।

समीक्षाधीन अवधि में पेट्रोल की बिक्री सालाना आधार पर लगभग दो प्रतिशत बढ़कर 11.4 लाख टन हो गई। हालांकि, पेट्रोल की बिक्री में मासिक आधार पर 6.6 फीसद की गिरावट आई है।

विमान ईंधन (एटीएफ) की मांग अप्रैल के पहले पखवाड़े में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 2,84,600 टन हो गई।

आरआईएनएल ने नए कारोबारी माडल के लिए रुचि पत्र देने की समयसीमा बढ़ाई

नई दिल्ली (भाषा)।

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) ने इस्पात आपूर्ति के बदले कार्यशील पूंजी लेने के नए कारोबारी मॉडल के लिए रुचि पत्र स्वीकार करने की समयसीमा बढाकर 20 अप्रैल कर दी है।

इस मॉडल के तहत आरआईएनएल कंपनियों को तैयार इस्पात उत्पादों की आपूर्ति करने के बदले उनसे कार्यशील पूंजी या एक या अधिक कच्चे माल की आपूर्ति लेगी। पहले, रुचि पत्र जमा कराने की अंतिम तारीख 15 अप्रैल, 2023 थी। आरआईएनएल इस्पात की आपूर्ति के लिए ऐसी कंपनियों के साथ साझेदारी करना चाहती है जिनकी दिलचस्पी इस्पात या इस्पात निर्माण में काम आने वाले कच्चे माल में है।

मारुति ने उतारा सुपर कैरी का नया माडल

नई दिल्ली (भाषा)। मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी का नया एवं अद्यतन संस्करण पेश किया है। इसकी कीमत 5.15 लाख रुपए से 6.30 लाख रुपए के बीच रखी गई है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि वाहन के 1.2 लीटर वाले पेट्रोल संस्करण के दाम 5.15 से 5.30 लाख रुपए के बीच और सीएनजी संस्करण की कीमत 6.15 से 6.30 लाख रुपए के बीच रखी गई है।

मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यपालक अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने कहा, 'नई सुपर कैरी को लेकर हमें भरोसा है कि यह हमारे वाणिज्यिक ग्राहकों और उनके साझेदारों की सफलता में आदर्श सहयोगी साबित होगी।'

यात्री वाहनों का निर्यात 15 फीसद बढ़ा, सर्वाधिक हिस्सेदारी मारुति की

नई दिल्ली (भाषा)।

देश से यात्री वाहनों का निर्यात 2022-23 में 15 प्रतिशत बढ़कर 6,62,891 इकाई रहा। इसमें 2.5 लाख से अधिक इकाइयों का निर्यात करने वाली मारुति सुजुकी इंडिया की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है।

उद्योग संगठन सोसायटी आफ इंडियन आटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों के मुताबिक 2022-23 में कुल यात्री वाहनों का निर्यात 6,62,891 इकाई रहा है जो 2021-22 में 5,77,875 इकाई था। आंकड़ों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष में यात्री कारों का निर्यात दस प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,13,787 इकाई रहा। वही उपयोगी (यूटिलिटी) वाहनों का निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 2,47,493 इकाई रहा। हालांकि वैन का निर्यात घट गया और 2022-23 में यह 1,611 इकाई रहा जबकि 2021-22 में यह आंकड़ा 1,853 इकाई था। पिछले वित्त वर्ष में यात्री वाहन श्रेणी के निर्यात में सबसे बड़ी हिस्सेदारी मारुति सुजुकी इंडिया की रही। इसके बाद हुंडई मोटर इंडिया और किआ इंडिया का स्थान रहा।

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी ने 2022-23 में 2,55,439 यात्री वाहनों का निर्यात किया जो 2020-21 में निर्यात किए गए 2,35,670 वाहनों से आठ प्रतिशत अधिक है।

हुंडई मोटर इंडिया ने 1,53,019 वाहनों का निर्यात किया जो 2021-22 की 1,29,260 इकाइयों से 18 प्रतिशत अधिक है। किआ इंडिया ने 2022-23 में 85,756 वाहनों का निर्यात किया जबकि 2021-22 में उसने 50,864 इकाइयों का निर्यात किया था।

निसान मोटर इंडिया ने 60,637 वाहनों का, रेनो इंडिया ने 34,956 वाहनों का, फॉक्सवैगन इंडिया ने 27,137 इकाइयों का निर्यात किया। होंडा कार्स ने 22,710 इकाइयों का जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 2022-23 में 10,622 इकाइयों का निर्यात किया। बीते वित्त वर्ष में भारत से वाहनों का कुल निर्यात 47,61,487 इकाई रहा है जो 2021-22 की 56,17,359 इकाइयों से 15 प्रतिशत कम है।

युवराज पाइप्स ने सेनेटरी वेयर की नई रेंज लांच की

नई दिल्ली (वि.)। युवराज पाइप्स ने उत्पादकों की रेंज बढ़ाकर बाथरूम फिटिंग और सैनेट्रीवेयर्स की नई उत्पाद श्रृंखला में प्रवेश किया है जिससे उपभोक्ताओं को पाइपिंग सिस्टम के साथ सेनेटरी वेयर एवं बाथरूम फिटिंग से संबंधित उत्पादों की संपूर्ण रेंज उपलब्ध होगी। कंपनी के पास यूपी, उत्तराखंड और पंजाब और दिल्ली में पीवीसी पाइपों के 500 से अधिक डीलरों का नेटवर्क है। कंपनी की बड़ी निर्माण इकाइयाँ पूरे भारत में फैली हुई है। नई इकाई यूपी, उत्तराखंड पंजाब और दिल्ली में आ रही है जो पाइप और पानी के भंडारण टैक बाथरूम फिटिंग और सैनेट्रीवेयर्स का निर्माण करेगी। यह जानकारी कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल कुमार ने दी।

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
राजस्थान	05	04	01	08	1.354
लखनऊ	05	03	02	06	0.761
चेन्नई	05	03	02	06	0.265
गुजरात	05	03	02	06	0. 192
पंजाब	05	03	02	06	-0.109
कोलकाता	05	02	03	04	0.320
बेंगलुरु	05	02	03	04	-0.318
मुंबई	04	02	02	04	-0.389
हैदराबाद	04	02	02	04	-0.822
दिल्ली	05	00	05	00	-1.488

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	पारी	रन
प्लेसिस	बेंगलुरु	05	259
वेंकटेश	कोलकाता	05	234
शिखर धवन	पंजाब	04	233
शुभमन	गुजरात	05	228
डेविड वॉर्नर	दिल्ली	05	228

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	पारी	विकेट
मार्क वुड	लखनऊ	04	11
युजवेंद्र चहल	राजस्थान	05	11
राशिद खान	गुजरात	05	11
मो. शमी	गुजरात	05	10
देशपांडे	चेन्नई	05	10

धीमी ओवर गति के लिए सूर्यकुमार पर 12 लाख का जुर्माना लगा

मुंबई। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाये रखने के लिएमुंबई इंडियंस के कप्तान सूर्यकुमार यादव पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। यह आईपीएल के इस सीजन में न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित आचार संहिता के तहत मुंबई का पहला अपराध था। मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा पेट में समस्या के कारण टीम की कमान नहीं संभाल सके और सूर्यकुमार ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया। रोहित हालांकि दूसरी पारी में राइली मेरेडिथ की जगह बतौर इम्पैक्ट प्लेयर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे।

चेन्नई की रॉयल पर रोमांचक जीत

बेंगलुरु को आठ रन से हराया, कॉन्वे और शिवम ने जड़े अर्धशतक

बेंगलुरु। चेन्नई सुपरकिंग्स ने डेवन कॉन्वे (83) और शिवम दुबे (52) के विस्फोटक अर्धशतकों की बदौलत (आईपीएल) के बड़े स्कोर वाले रोमांचक मुकाबले में सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु(आरसीबी) को आठ रन से मात दी। चेन्नई की यह तीसरी जीत जबकि बेंगलुरु की तीसरी हार हैं।

चेन्नई ने 20 ओवर में छह विकेट पर 226 रन बनाए। जवाब में आरसीबी की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 218 रन ही बना सकी। चेन्नई ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए गायकवाड़ का विकेट जल्दी गंवा दिया, लेकिन इससे कॉन्वे और अजिंक्य रहाणे दूसरे विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी की। 11वें ओवर में सैकड़ा पूरा करने के बाद कॉन्वे ने शिवम दूबे के साथ 80 रन की साझेदारी की। अच्छी लय में दिख रहे कॉनवे अपना शतक पूरा नहीं कर सके और 83 रन बनाकर पवेलियन लौटे। चेन्नई के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अंतिम ओवरों में छोटे-छोटे योगदान देकर सुनिश्चित किया कि आरसीबी के सामने विशाल लक्ष्य रखा जाए। अंबाती रायुडू ने छह गेंद एक छक्का और एक चौका लगाकर 14 रन बनाये, जबकि रवींद्र जडेजा ने आठ गेंद पर 10 रन की पारी खेली। मोईन अली नौ गेंद पर दो छक्कों की मदद से 19 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि चेन्नई ने 226/6 के स्कोर के साथ 20 ओवर समाप्त किए। विजयकुमार विशाक चार ओवर में एक विकेट के बदले 62 रन देकर आरसीबी के सबसे महंगे गेंदबाज रहे, जबकि वेन पार्नेल ने चार ओवर में एक विकेट के बदले 48 रन दिए। आरसीबी के सबसे किफायती गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने चार ओवर में मात्र 30 रन देकर एक विकेट चटकाया। मैक्सवेल, वानिंदू हसरंगा और हर्षल पटेल को भी एक-एक विकेट हासिल हुआ।

कॉन्वे ने चेन्नई के लिए चिन्नास्वामी में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया

एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में डेवन कॉन्वे ने चेन्नई के लिए दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। उन्होंने बेंगलुरु के खिलाफ 45 गेंद में 83 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। इस मैदान पर सबसे बड़ा स्कोर महेंद्र सिंह धोनी के नाम है। उन्होंने यहां 84 रन की पारी खेली थी। कॉन्वे (83 रन) ने अंबाती रायुडू का रिकॉर्ड तोड़ा। रायडू ने इस मैदान पर 82 रन बनाए थे। यह कॉन्वे के आईपीएल करियर का पांचवां अर्धशतक हैं।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स	रन	गेंद	4/6
ऋतुराज कै. पर्नेल बो. सिराज	03	06	0/0
डेवन कॉन्वे बो. हर्षल	83	45	6/6
अजिंक्य रहाणे बो. हसरंगा	37	20	3/2
शिवम दुबे कै. सिराज बो. पर्नेल	52	27	2/5
रायुडू कै. कार्तिक बो. वैशाक	14	06	1/1
मोईन अली नाबाद	19	09	0/2
जडेजा कै. देसाई बो. मैक्सवेल	10	08	0/1
एमएस धोनी नाबाद	01	01	0/0

अतिरिक्त: 7, कुल: 20 ओवर में छह विकेट पर 226 रन
विकेट पतन: 1-16, 2-90, 3-170, 4-178, 5-198, 6-224, **गेंदबाजी:** मोहम्मद सिराज 4-0-30-1, वेन पर्नेल 4-0-48-1, विजयकुमार वैशाक 4-0-62-1, ग्लेन मैक्सवेल 2.4-0-28-1, वानिंदु हसरंगा 2-0-21-1, हर्षल पटेल 3.2-0-36-1,

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रन	गेंद	4/6
विराट कोहली बो. आकाश	06	04	1/0
डु प्लेसिस कै. धोनी बो. अली	62	33	5/4
महिपाल कै. ऋतुराज बो. तुषार	00	05	0/0
मैक्सवेल कै. धोनी बो. थीक्षणा	76	36	3/8
शाहबाज कै. ऋतुराज बो. पथिराना	12	10	0/1
कार्तिक कै. थीक्षणा बो. तुषार	28	14	3/1
प्रभुदेसाई कै. जडेजा बो. पथिराना	19	11	0/2
वेन पर्नेल कै. शिवम बो. तुषार	02	05	0/0
वानिंदु हसरंगा नाबाद	02	02	0/0

अतिरिक्त: 11, कुल: 20 ओवर में आठ विकेट पर 218 रन **विकेट पतन:** 1-6, 2-15, 3-141, 4-159, 5-191, 6- 192, 7-197, 8-218 **गेंदबाजी:** आकाश सिंह 3-0-35-1, तुषार देशपांडे 4-0-45-3, महीश थीक्षणा 4-0-41-1, रवींद्र जडेजा 4-0-37-0, पथिराना 2-0-42-2, मोईन अली 1-0-13-1,

मैक्सवेल- प्लेसिस की 126 रन की शतकीय साझेदारी बेकार

लक्ष्य का पीछा करते हुए बेंगलुरु के लिए विराट कोहली (छह रन) और महिपाल लोमरोर (शून्य) के आउट होने के बाद मैक्सवेल और डु प्लेसिस ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चौकों और छक्कों की बरसात करते हुए तीसरे विकेट के लिये 126 रन की शतकीय साझेदारी की। मैक्सवेल ने 36 गेंद पर 76 रन जबकि प्लेसिस ने 33 गेंद पर 62 रन बनाए। इसके बदा दिनेश कार्तिक (14 गेंद, 28 रन) और शाहबाज अहमद (10 गेंद, 12 रन) ने संघर्ष की निशानियां दिखाई लेकिन यह आरसीबी के लिए पर्याप्त नहीं था। आरसीबी को आखिरी दो ओवर में 31 रन चाहिए थे और तुषार ने ओवर की पहली ही गेंद पर पर्नेल को आउट कर दिया। प्रभूदेसाई ने इस ओवर में देशपांडे को छक्का लगाकर आरसीबी को मैच में जिन्दा रखा। उन्होंने आखिरी ओवर की तीसरी गेंद पर भी एक छक्का जड़ा, लेकिन पथिराना ने अगली तीन गेंद पर मात्र दो रन देकर चेन्नई को जीत दिलाई।

विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय पुरुष मुक्केबाज ताशकंद रवाना

थापा और भोरिया संभालेंगे टीम की कमान

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष मुक्केबाजी दल विश्व चैंपियनशिप से पहले आयोजित होने वाले 12 दिवसीय बहु-देशीय प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए सोमवार को उज्बेकिस्तान के ताशकंद रवाना हुआ।

छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिव थापा और 2019 एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता दीपक भोरिया 30 अप्रैल को शुरू होने वाली चैंपियनशिप में भारतीय टीम की कमान संभालेंगे। ताशकंद चैंपियनशिप में पहले ही 104 देशों के लगभग 640 मुक्केबाज पंजीकरण करा चुके हैं, जिसमें फ्रांस के सोफियाने ओउमिहा, जापान के टोमोया त्सुबोई, अजरबैजान के लोरेन अल्फोंसो, कजाकस्तान के सकेन बिबोसिनोव और क्यूबा के योएनलिस हर्नांडेज़ मार्टिनेज और जूलियो ला क्रूज़ जैसे सात गत विश्व चैंपियन शामिल हैं। विश्व चैंपियनशिप में इस बार स्वर्ण पदक विजेताओं को दो लाख अमरीकी डॉलर से सम्मानित किया जाएगा। रजत पदक विजेताओं को एक लाख अमरीकी डॉलर मिलेंगे, जबकि कांस्य-पदक विजेताओं को 50,000 अमरीकी डॉलर से नवाजा जाएगा। प्रशिक्षण शिविर के 51 किग्रा, 57 किग्रा, 63.5 किग्रा, 71 किग्रा, 80 किग्रा और 92 किग्रा सहित छह भार वर्गों में दो-दो भारतीय मुक्केबाज भाग लेंगे क्योंकि अतिरिक्त मुक्केबाज भी मुख्य टीम के साथ सफर कर रहे हैं।

विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम

गोविंद साहनी (48 किग्रा), दीपक भोरिया (51 किग्रा), सचिन सिवाच (54 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा), वरिंदर सिंह (60 किग्रा), शिवा थापा (63.5 किग्रा), आकाश सांगवान (67 किग्रा), निशांत देव (71 किग्रा), सुमित कुंडू (75 किग्रा), आशीष चौधरी (80 किग्रा), हर्ष चौधरी (86 किग्रा), नवीन कुमार (92 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (92+ किग्रा)।

प्रशिक्षण शिविर के लिए भारतीय टीम

गोविंद साहनी (48 किग्रा), दीपक भोरिया (51 किग्रा), अमित पंघाल (51 किग्रा), सचिन सिवाच (54 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा), सचिन (57 किग्रा), वरिंदर सिंह (60 किग्रा), शिवा थापा (63.5 किग्रा), वंशज (63.5 किग्रा), आकाश सांगवान (67 किग्रा), निशांत देव (71 किग्रा), हेमंत यादव (71 किग्रा), सुमित कुंडू (75 किग्रा), आशीष चौधरी (80 किग्रा), संजय (80 किग्रा), हर्ष चौधरी (86 किग्रा), नवीन कुमार (92 किग्रा), संजीत (92 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (92+ किग्रा)।

प्रमोद व सुकांत की भारतीय जोड़ी ने जीता स्वर्ण पदक

ब्राजील पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट

साओ पाउलो। शीर्ष भारतीय पैरा-शटलर प्रमोद भगत और विश्व नंबर 4 सुकांत कदम की जोड़ी ने सोमवार को ब्राजील पैरा-बैडमिंटन इंटरनेशनल चैंपियनशिप 2023 में पुरुष युगल का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

भारत ने इस प्रतियोगिता में छह स्वर्ण, सात रजत और 11 कांस्य सहित कुल 24 पदक प्राप्त किए। प्रमोद ने एकल प्रतियोगिता में भी रजत जीता जबकि सुकांत ने कांस्य पदक हासिल किया। प्रमोद और सुकांत ने पुरुष युगल एसएल3-एसएल4 में जू डोंगजे और शिन क्युंग-वान की कोरियाई जोड़ी को हराया। कोरियाई जोड़ी ने खिताब के लिये भारतीय युगल को कड़ी टक्कर दी, लेकिन प्रमोद-सुकांत अंततः 22-20 और 21-19 के साथ स्वर्ण पदक जीत लिया। प्रमोद हालांकि एसएल3 वर्ग के एकल फाइनल में अपने प्रदर्शन को दोहरा नहीं सके और अपने हमवतन कुमार नितेश से 12-21, 13-21 से हार गए। दूसरी ओर, सुकांत ने अपने एकल एसएल4 वर्ग में कांस्य पदक जीता। सुकांत ने कहा, मैं अपने युगल के प्रदर्शन से खुश हूं, लेकिन मुझे अपने एकल खेल पर और मेहनत करने की जरूरत है। मैंने इस टूर्नामेंट में अपनी गलतियों को जाना है और मैं उन पर कड़ी मेहनत करूंगा और उन गलतियों को आगे नहीं दोहराऊंगा।

वेदांत माधवन ने जीते पांच पदक

नई दिल्ली। अभिनेता आर. माधवन के बेटे 17 वर्षीय वेदांत माधवन ने हाल ही में आयोजित हुई 58वीं मलेशियाई इनविटेशनल एज ग्रुप चैम्पियनशिप 2023 में भारत के लिए पांच स्वर्ण पदक जीते।

वेदांत ने 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 और 1200 मीटर की तैराकी चैंपियनशिप में हिस्सा लेते हुए पदक जीते। आर. माधवन ने वेदांत को शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया तस्वीरें शेयर की, जिनमें बेटे वेदांत गले में पांच गोल्ड मेडल लटकाए हैं। और तिरंगे के साथ पोज दे रहे हैं। इससे पहले वेंदात में भोपाल में आयोजित हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 में सात पदक जीते थे। पिछले साल अक्टूबर में हुए नेशनल चैंपियनशिप में महाराष्ट्र के लिए कुल सात पदक हासिल किए थे।

चेन्नई को मिली हॉकी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी

नई दिल्ली। पुरुष हॉकी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 का आयोजन तीन से 12 अगस्त के बीच चेन्नई में किया जायेगा। हॉकी इंडिया ने सोमवार को इसकी घोषणा की।यह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का सातवां आयोजन है जो सितंबर में चीन के हांग्झोऊ में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होगा। चेन्नई ने आखिरी बार 2007 में एशिया कप के रूप में एक अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी की थी। भारत ने इस आयोजन के फाइनल में कोरिया को 7-2 से हराकर खिताब जीता था। भारतीय पुरुष टीम ने 2011 में आयोजित एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के उद्घाटन संस्करण में और 2016 में खिताब जीता थाओमान के मस्कट में आयोजित 2018 के फाइनल की कार्यवाही प्रभावित होने के बाद भारत और पाकिस्तान संयुक्त विजेता रहे थे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ दिलीप टिर्की ने टूर्नामेंट की मेजबानी का मौका देने के लिएउधयनिधि स्टालिन और एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ टिर्की ने कहा, मुझे एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप भुवनेश्वर-राउरकेला के दौरान उनके साथ बातचीत करने का सम्मान मिला और हॉकी के लिए उनके उत्साह और जुनून को देखना बहुत उत्साहजनक था। मैं इस अवसर के लिए एएचएफ को भी धन्यवाद देता हूं। एशिया की सभी शीर्ष टीमों को भारत आये और यहां भाग लेते हुए काफी समय हो गया है। मेरे पास चेन्नई में खेलने की बहुत अच्छी यादें हैं।

शिवा नरवाल और नेहा एयर पिस्टल ट्रायल में विजयी

भोपाल। हरियाणा के शिवा नरवाल ने भारतीय निशानेबाजों के लिए मप्र राज्य निशानेबाजी अकादमी रेंज पर चल रहे पुरूषों का दस मीटर एयर पिस्टल चयन ट्रायल जीत लिया। शिवा ने पंजाब के अर्जुन सिंह चीमा को 17 -7 से हराया जबकि नेहा ने रिदम सांगवान को 17-9 से मात दी। शिवा ने क्वालीफिकेशन और रैंकिंग दौर में भी शीर्ष स्थान हासिल किया था। वहीं नेहा क्वालीफाइंग में आठवें स्थान पर रही थी। रैंकिंग दौर में रिदम शीर्ष पर रही थी लेकिन फाइनल में हार गई। यशस्विनी देसवाल तीसरे स्थान पर रही। जूनियर वर्ग में उर्वा चौधरी ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में जीत दर्ज की। पुरूष वर्ग में राजस्थान के अमित शर्मा विजयी रहे। दिल्ली में शॉटगन ट्रायल में एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता लक्ष्य शेरोन ने पुरूषों के ट्रैप वर्ग में पहले दिन शीर्ष स्थान हासिल किया। महिला वर्ग में आद्या त्रिपाठी ने बढ़त बना ली है।

वोंग भारतीय तीरंदाजी रिकर्व टीम के मुख्य कोच नियुक्त

कोलकाता। भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) ने 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों से पहले रिकर्व टीम के लिए ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बैक वोंग की मुख्य कोच नियुक्त किया है। 2014 एशियाई खेलों के बाद यह पहली बार भारत ने किसी विदेशी को कोच बनाया। लंदन ओलंपिक में महिलाओं के व्यक्तिगत और टीम वर्गों में अपने देश के दोहरे स्वर्ण पदक जीतने वाले दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी मंगलवार से तुर्की के अंताल्या में होने वाले सीजन-ओपनिंग वर्ल्ड कप स्टेज 1 के साथ अपने भारत दौरे की शुरुआत करेंगे। वोंग इससे पहले भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केन्द्र) का हिस्सा थे और अब उन्हें ओलंपिक तक का करार दिया गया है। भारतीय तीरंदाजी के हाई परफार्मेंस निदेशक और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता संजीव सिंह ने बताया, उन्हें भारत के रिकर्व टीम कोच बनाया गया है और वह एशियाई खेलों और उसके बाद ओलंपिक तक रहेंगे।

श्रीलंका के खिलाफ आयरलैंड पर मंडराया फॉलोऑन का खतरा

गॉल। श्रीलंका ने छह विकेट पर 591 रन बनाकर पहली पारी घोषित करने के बाद प्रभात जयसूर्या के पांच विकेट की मदद से आयरलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन आयरलैंड की पहली पारी में 117 रन पर सात विकेट लेकर शिकंजा कस दिया। आयरलैंड को फॉलोऑन टालने के लिए अब भी 274 रन की दरकार है जबकि उसके सिर्फ तीन विकेट बचे हैं। स्टंप्स के समय लोरकान टकर 21 जबकि एंडी ब्राइन पांच रन बनाकर खेल रहे थे। श्रीलंका ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 386 रन से की। पांच साल बाद टीम में वापसी कर रहे सदीरा समरविक्रम (नाबाद 104 रन) ने अपना पहला शतक लगाया। दिनेश चांदीमल (नाबाद 102 रन भी) पहली पारी में शतक जड़ने वाले चार बललेबाजों में शामिल रहे। कप्तान दिमथु करूणारत्ने (170) और कुसाल मेंडिस (140) ने पहले दिन दूसरे विकेट के लिए 281 रन जोड़कर श्रीलंका के लिए ठोस मंच तैयार किया था। ऑफ स्पिनर एंडी मैक ब्राइन ने इसके बाद धनंजय डिसिल्वा (12) को पगबाधा करके श्रीलंका स्कोर छह विकेट पर 408 रन किया। चांदीमल और समरविक्रम ने इसके बाद 183 रन की अटूट साझेदारी की। इसके जवाब में आयरलैंड की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज जेम्स मैकोलम (35) और हैरी टेक्टर (34) ने तीसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़े लेकिन इस साझेदारी के टूटने के बाद आयरलैंड की पारी चरमरा गई। जयसूर्या (42 रन पर पांच विकेट) ने इस साझेदारी को तोड़ा।

भारतीयों को ठगने के लिये नौकरी की फर्जी पेशकश पर, यूके के गुरुद्वारे ने जारी की चेतावनी

दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड में केंट कस्बे के एक गुरुद्वारे के नाम पर भारतीयों को ठगने के लिये फर्जी नौकरी और वीजा की पेशकश देने वाले विज्ञापन की जानकारी मिलने के बाद गुरुद्वारे ने अपनी वेबसाइट पर एक चेतावनी जारी की है। केंट के ग्रेवसेंड में स्थित श्री गुरु नानक दरबार गुरुद्वारा ने अपनी वेबसाइट और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर स्कैम अलर्ट नामक शीर्षक से इस विज्ञापन की प्रति जारी करते हुये चेतावनी दी है। इसमें कहा गया है कि गुरुद्वारे के नाम पर दिया गया टिकट मुफ्त, वीजा मुफ्त, भोजन मुफ्त नौकरी की पेशकश फर्जी है। ब्रिटेन में तत्काल आवश्यकता है शीर्षक वाले विज्ञापन में कहा गया है कि इच्छुक महिला एवं पुरूष दिए गए व्हाट्सएप नंबर पर कॉल करें। गुरुद्वारा की ओर से इस संबंध में जारी चेतावनी में कहा गया है, स्कैम अलर्ट: इन सेवाओं का इस्तेमाल नहीं करें। यह गुरु नानक दरबार गुरुद्वारा से संबद्ध नहीं है। गुरुद्वारा के महासचिव जगदेव सिंह विर्दी ने एक वेबसाइट को बताया कि उन्हें इस बात की जानकारी तब मिली जब इस माह के शुरू में गुरुद्वारे के एक स्थानीय श्रद्धालु ने अपने माता-पिता के लिये इस बारे में जानकारी ली, जो भारत में रहते हैं। इसके बाद करीब एक दर्जन लोगों ने इस बारे में गुरुद्वारे से पूछताछ की। ग्रेवसेंड और आसपास के क्षेत्र में करीब 15 हजार सिख रहते हैं जिनके भारत में मजबूत पारिवारिक और मैत्री संबंध हैं।

प्रखर, सेरा, समृद्ध, कबीर और अविका बने नए शतरंज चैंपियन

भोपाल। ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के तत्वाधान में मध्य प्रदेश एडहॉक कमिटी द्वारा यूनिकॉर्न चेस अकादमी में अंडर 17 ओपन एवं गर्ल्स शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कटनी के प्रखर बजाज, कामत मिश्रा, बालिका वर्ग में इंदौर की सेरा डागरिया और भोपाल की ईरा शर्मा न खिताब जीतकर नेशनल के लिए क्वॉलीफाई कर लिया।

भोपाल के समृद्ध सिंह तोमर, कबीर गुप्ता एवम अविका पवार ने अपने-अपने आयु वर्ग में शानदार खेल दिखाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। गुरमीत सिंह , सानिध्य अग्रवाल और रवि श्रीवास्तव जी द्वारा सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। आर्बिटर टीम में अदिति श्रीवास्तव, विक्रम सिंह तोमर, दीप्ति, सुनील पवार, पलाश, वेदांत, रवि पलसुले एवम कुशाग्र को प्रशस्ति सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

भोपाल पुलिस सेमीफाइनल में पहुंची

भोपाल । स्थानीय नेहरू नगर मैदान पर खेली जा रही फ्रेंडशिप कप क्रिकेट प्रतियोगिता के पहले क्वॉर्टर फाइनल मुकाबले में भोपाल पुलिस ने बैंकर्स एकादश को 22 रनों से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की। पहले बल्लेबाजी करते हुए भोपाल पुलिस ने 6 विकेट पर 194 रन बनाए। भोपाल पुलिस के लिए विजय सिंह 60 ,रवि प्रकाश 53, भीम 28, फिरोज अनवर बिट्टू 13 रनों की पारी खेली। योगेश को दो जबकि विजय, जतिन एवं अतुल को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बैंकर्स एकादश की टीम 20 ओवर में 172/8 ही बना सकी। उसके लिए योगेश 49, अभिषेक 43, दीपक ने 24 रन का योगदान दिया। भोपाल पुलिस के लिए फिरोज अनवर बिट्टू व राम दुबे को दो-दो और रवि प्रकाश, सुशील व विशाल को एक-एक सफलता मिली रवि प्रकाश मैन ऑफ द मैच रहे। दूसरे मैच में हमीदिया रेड ने अस्तितव को 8 विकेट से हराकर सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदें बनाये रखी। आज डी जी पी विरुद्ध मास्टर्स एकादश के मध्य विभागीय ग्रुप का दूसरा क्वॉर्टर फाइनल मैच खेला जाएगा। दोपहर को हमीदिया ग्रीन विरुद्ध हमीदिया रेड के मध्य कॉरपोरेट का आखरी एवं निर्णायक मैच होगा।

आज के दौर में जब अधिकतर सेलिब्रिटीज वेस्टर्न और स्टाइलिश ड्रेसअप कैरी करना पसंद करती हैं, कुछ एक्ट्रेसेस ऐसी भी हैं, साड़ी जिनकी फेवरेट ड्रेस है। कामना पाठक भी ऐसी ही एक्ट्रेसेस में से एक हैं। साड़ी से अपने लगाव और फेवरेट साड़ी स्टाइल आइकन के बारे में **सहेली** को बता रही हैं कामना पाठक।

साड़ी मेरा पहला प्यार है: कामना पाठक

स्टार फेवरेट ड्रेसअप

इसमें कोई शक नहीं है कि साड़ी भारतीय महिलाओं की सबसे खूबसूरत, ट्रेडिशनल और स्टाइलिश ड्रेसेस में से एक है। यही वजह है कि यह क्लासिक और फ्यूजन ड्रेप लगभग हर महिला के ड्रेसअप कलेक्शन में मौजूद होती है। आम महिलाएं ही नहीं कई एक्ट्रेसेस भी साड़ी को अपना फेवरेट ड्रेसअप मानती हैं। एंड टीवी पर टेलिकास्ट हो रहे फैमिली कॉमेडी शो, 'हप्पू की उलटन पलटन' में राजेश सिंह का रोल निभाने वाली कामना पाठक भी साड़ी लवर एक्ट्रेसेस में शामिल हैं।

उनको इस नौ गज के ड्रेसअप से बेहद प्यार है और उनके पास कई तरह की साड़ियों का एक बड़ा कलेक्शन है। उन्हें शूटिंग के दौरान साड़ी पहनना अच्छा लगता है और जब वे शूटिंग नहीं कर रही होती हैं तो भी उन्हें अलग-अलग तरह की साड़ियों में देखा जा सकता है। अपने नौ गज के प्यार यानी साड़ी के प्रति प्यार के बारे में बता रही हैं कामना पाठक।

बचपन से है साड़ियों से लगाव

साड़ी के लिए अपने लगाव के बारे में कामना पाठक कहती हैं, 'सच ही कहा जाता है कि साड़ी कभी फैशन से बाहर नहीं होती है और ना होगी। यह एक ऐसा परिधान है, जिसमें हर महिला खूबसूरत और आकर्षक नजर आती है, चाहे वह किसी भी शेप या साइज की हो। चाहे लोगों से मिलना-जुलना हो, पार्टीज में जाना हो, कोई फॉर्मल प्रोग्राम हो या कोई ट्रेडिशनल ऑकेजन, साड़ी एक स्टाइल स्टेटमेंट बनाने के लिए सबसे बेहतर ऑप्शन हो सकता है। यह एक ऐसा ड्रेसअप है, जो कभी आउट ऑफ डेट नहीं हुआ और वक्त के साथ बेहतर ही हुआ है। साड़ियां मेरे पसंदीदा ड्रेसेस में से एक रही हैं और यह मेरा पहला प्यार है। बहुत ही कम उम्र से ही मुझे इससे प्यार हो गया था। जब मैं छोटी थी तो मेरी मां दुपट्टे को साड़ी की तरह पहना दिया करती थीं और मैं पूरा दिन खुद को आईने में देखकर खुश होती थी। मेरी हरकतों को देखकर फैमिली मेंबर्स खूब हंसते थे। जैसे-जैसे मैं बड़ी होती गई, साड़ी के लिए मेरा लगाव बढ़ता चला गया और मैं ज्यादातर साड़ियां ही पहनने लगी। जब मैंने अर्निंग शुरू तो साड़ियों का कलेक्शन करना शुरू कर दिया। इसके बाद जब मुझे जगह-जगह ट्रैवल करने का मौका मिलने लगा तो मैं जिन शहरों में जाती वहां की खास पारंपरिक साड़ियां खरीदने लगी। पिछले दिनों मैं नवरात्र मनाने के लिए ग्वालियर और देव दीपावली के लिए वाराणसी गई थी। अलग-अलग घाटों को देखने, देव दीपावली का उत्सव और लोकल स्ट्रीट फूड का स्वाद चखने के अलावा वहां की मशहूर बनारसी साड़ी की शॉपिंग भी की। मैंने एक नहीं बल्कि 5 बनारसी साड़ियां खरीदीं। अलग-अलग शहरों से साड़ियां इकट्ठी करना तो जैसे मेरी हॉबी बन गई है। यदि मैं ऐसा नहीं कर पाती तो मुझे लगता है जैसे मेरी ट्रिप अधूरी रह गई। मैंने अब तक अनेक स्थानों से अलग-अलग तरह की काफी साड़ियां कलेक्ट की हैं और उनको स्टोर करने के लिए घर में अलग से एक जगह बनाई है।'

साड़ी वाली मेरी स्टाइल आइकन

साड़ी पहनने वाली अपनी फेवरेट सेलिब्रिटी के बारे में पूछे जाने पर कामना बताती हैं, 'इसमें कोई शक नहीं कि रेखा जी साड़ियों के मामले में देश की महिलाओं के लिए स्टाइल आइकन हैं। वे जब भी किसी ऑकेजन में साड़ी पहने नजर आती हैं, उनका अनोखा स्टाइल हमेशा ही आकर्षित करता है। उनमें गजब का स्टाइल सेंस है, जो नई जेनरेशन की महिलाओं को भी प्रेरित करता है। हाल ही में मैंने अपने वाराणसी ट्रिप में रेखा जी से प्रेरित होकर लाल रंग की कांजीवरम साड़ी खरीदी। रेखा जी के अलावा मेरी दूसरी साड़ी स्टाइल आइकन, विद्या बालन हैं। उनका फैशन सेंस अलग हटकर है, चाहे बात ट्रेडिशनल की हो या ऑफ-बीट की। मैं यह भी बताना चाहूंगी कि मुझे 'हप्पू की उलटन पलटन' में मेरे किरदार (रज्जो) का साड़ी लुक भी पसंद है। आप सोच सकती हैं कि रोज शूटिंग में साड़ी पहनना मुश्किल होता होगा लेकिन मेरे लिए ऐसा करना थेरेपी की तरह है।' *

त्वचा-बालों को निखारे अश्वगंधा

अश्वगंधा ना केवल औषधि के रूप में कई रोगों के उपचार में कारगर है, सौंदर्य को निखारने में भी इसका कई तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है। यहां आपको बता रहे हैं कि इसके इस्तेमाल से आप अपनी खूबसूरती को और कैसे बढ़ा सकती हैं?

ब्यूटी टिप्स

शहनाज हुसैन
कॉस्मेटोलॉजिस्ट

आयुर्वेद में अश्वगंधा को विशेष और अत्यंत प्रभावशाली औषधि माना गया है। आयुर्वेद में अश्वगंधा के अर्क, काढ़े, पावडर, तेल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है। इससे बने क्लींजर, एंटी एजिंग क्रीम, मॉयश्चराइजिंग क्रीम, शैंपू, कंडीशनर, हेयर टॉनिक आदि की बहुत डिमांड है।

ऐसे करें यूज

- त्वचा को मुलायम बनाने के लिए 2 चम्मच सूखे अश्वगंधा पावडर में एक चम्मच सूखे और पीसे हुए नीबू के छिलके और एक चम्मच सूखे अदरक को मिलाएं। इन्हें एक कप पानी में डालें और उबाल लें। अब इस मिश्रण को ठंडा करें और चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद सादे पानी से धो लें। त्वचा मुलायम बनेगी और इसमें निखार आएगा।

- अश्वगंधा में त्वचा को जबान बनाए रखने के गुण होते हैं। इसमें शक्तिशाली एंटीएजिंग गुणों के साथ एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो फाइन लाइंस और रिंकल्स से राहत देते हैं। साथ ही त्वचा पर लंबे समय तक उम्र के संकेत नहीं आने देते। स्किन को आकर्षक और कोमल बनाए रखने के लिए एक चम्मच अश्वगंधा पावडर में एक चम्मच शहद और थोड़ा-सा गुलाब जल मिलाएं। शहद की जगह आप एलोवेरा जैल भी मिला सकती हैं। अब इस मिश्रण को होंठों और आंखों के आस-पास के क्षेत्र को छोड़कर पूरे चेहरे पर लगाएं। 15 से 20 मिनट बाद इसे सादे पानी से धो लें।
- अश्वगंधा में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो त्वचा को संक्रमण और मुंहासों से बचाते हैं। इसके लिए अश्वगंधा का फेस पैक कारगर है। इसे तैयार करने के लिए 2 चम्मच एलोवेरा जैल में एक चम्मच अश्वगंधा पावडर और आधा चम्मच दालचीनी पावडर मिलाएं। इस पैक को मुंहासे वाले स्थान पर लगाएं। 20 मिनट बाद सादे पानी से धो लें।
- मजबूत, चमकदार और डैंड्रफ-फ्री बालों के लिए भी यह कारगर है। 200 मिली. नारियल तेल में आधा कप सूखी अश्वगंधा की जड़ का पावडर मिलाकर एयरटाइट जार में रखें। अब 2 हफ्ते तक रोजाना इस जार को धूप में रखें। फिर तेल को छानकर अलग रख लें। बालों में यह तेल लगाने के लिए हफ्ते में एक या दो बार इस्तेमाल करें। इस तेल को रात में बालों में लगाएं और सुबह शैंपू कर लें। इससे बालों में रूसी भी दूर होगी।
- बालों को काला बनाने के लिए भी इसका यूज कर सकती हैं। इसके लिए अश्वगंधा पावडर और गर्म पानी का पेस्ट बना लें। बालों को सेक्शन में बांटें। इस पेस्ट को स्कैल्प और बालों पर लगाएं। प्लास्टिक शावर कैप पहन लें और आधे घंटे के लिए लगा रहने दें, फिर बालों को पानी से धो लें। *

रेसिपी

शिल्पी गोयल

ऐसे करें तैयार हेल्दी डिटॉक्स वाटर

हम आपको यहां बता रहे हैं तीन ऐसे डिटॉक्स वाटर की रेसिपी, जो गर्मी में बॉडी को हाइड्रेट रखने, डाइजेशन सुधारने, वेट लूज करने और इम्यूनिटी बूस्ट करने में हेल्पफुल हैं। इन्हें बनाना भी आसान है।

एप्पल-सिनेमोन-जिंजर डिटॉक्स वाटर

सामग्री- एप्पल(सेब): 1, सिनेमोन(दालचीनी): आधा छोटा चम्मच, जिंजर (अदरक): 5 ग्राम
विधि- सबसे पहले एक जार में सेब की स्लाइसेस काट लें। फिर उसमें दालचीनी और काटा हुआ अदरक डालें। इसके बाद जार को पानी से भर दें। कुछ देर बाद इस डिटॉक्स वाटर को आप पी सकती हैं, फैमिली मेंबर्स को पिला सकती हैं। *

कुकंबर-मिंट लीव्स-लेमन इंफ्यूज्ड वाटर

सामग्री- कुकंबर (खीरा): 20 ग्राम, मिंट लीव्स (पुदीना की पत्तियां): 5 ग्राम, लेमन(नीबू): आधा, पानी: 1 लीटर
विधि- एक जार में खीरे के पतले स्लाइस काट लें। अब इसमें नीबू की स्लाइसेस भी काट लें। इसमें पुदीने के पत्ते डालें, फिर जार को एक लीटर पानी से भर दें। कुकंबर-मिंट लीव्स-लेमन इंफ्यूज्ड वाटर तैयार है। *

बीटरूट-फेनेल सीड्स-स्वीट लाइम डिटॉक्स वाटर

सामग्री-बीटरूट(चुकंदर):30 ग्राम, स्वीट लाइम (मौसंबी/संतरा/नीबू): 1, फेनेल सीड्स(सौंफ): 1 चम्मच
विधि- एक जार में चुकंदर की स्लाइसेस काट लें। अब इसमें एक संतरा या मौसंबी या नीबू की स्लाइस काट लें। इसके बाद सौफ डालें।
अब जार को लगभग एक लीटर पानी से भर दें। बीटरूट-फेनेल सीड्स-स्वीट लाइम डिटॉक्स वाटर रेडी है। *

(लेखिका आहार विशेषज्ञ और आईडीए-छत्तीसगढ़ चैप्टर की प्रेसिडेंट हैं)

बिहेवियर / अंजू जैन

किसी से पहली बार मिलने पर थोड़ी शर्म-झिझक होना स्वाभाविक है। लेकिन हर किसी से शर्माना या बिना वजह खुद में सिमटे रहना सही नहीं। ऐसे में इसके कारणों को पहचानकर उसे दूर करना जरूरी है।

अजी! छोड़िए भी यूं शरमाना...

आमतौर पर शर्म और हया नारी के आभूषण कहे जाते हैं। लेकिन इसकी सीमित मात्रा ही अच्छी लगती है। यह ऐसा आभूषण है, जिसे वक्त और परिस्थितियों के मुताबिक ही अपनाना शोभा देता है। लेकिन कई महिलाएं बेहद शर्मीली होती हैं और किसी भी सुंदर या प्रभावशाली व्यक्ति को देखकर मानो शॉक्ड हो जाती हैं। किसी अंजान के सामने जाने, उनसे बात करने के लिए कहे जाने पर तो बहुत डर-सहम जाती हैं और चाहकर भी ना कुछ बोल पाती हैं और ना सहज रह पाती हैं। ऐसा बिहेव करना ना सिर्फ आपका इंप्रेशन खराब करता है, बल्कि पर्सनालिटी पर भी खराब प्रभाव डालता है। जरूरत से ज्यादा शर्माने की इस आदत से उबर पाना मुश्किल नहीं है। इसके लिए बस कुछ बातों पर ध्यान देने की जरूरत है।

जानिए शर्म की वजह

सबसे पहले अपनी शर्म की वजह को जानने की कोशिश करें। उन परिस्थितियों को पहचानें, जिसमें आप संकोच करती हैं या शर्म महसूस करती हैं। अपनी कमजोरी का कारण जानने के बाद उसे दूर करने में आपको आसानी होगी।

अपनी खूबियों को पहचानें

आमतौर पर शर्म तभी महसूस होती है, जब हम सामने वाले से खुद को कमतर या अयोग्य समझने लगते हैं। सच यह है कि हम सबमें कुछ खास गुण जरूर होते हैं। शर्म से उबरने के लिए अपनी उन खूबियों को पहचानना बहुत जरूरी है। उन गुणों और क्वालिटीज पर फोकस करें, जिनमें आप एक्सपर्ट हैं। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आपको मन में बसे भय से मुक्ति मिलेगी।

जब मिले कोई अजनबी

कई बार किसी पार्टी, फंक्शन या गैदरिंग में कोई अजनबी व्यक्ति मिल जाता है। इस कंडीशन में उससे दूर जाने या हकलाने की बजाय हाय-हैलो या अभिवादन करें और हल्के से मुस्कुराते हुए उनका परिचय पूछें। अजनबियों से ज्यादा गपशप करना ठीक नहीं लेकिन कुछ भी ना बोलना, रूखेपन या अकड़ की निशानी समझी जाती है।

कैरी करें अच्छी ड्रेसअप

झिझक दूर करने के लिए अपना आत्मविश्वास बढ़ाना सबसे जरूरी है और इसके लिए सबसे जरूरी है सुंदर और आकर्षक दिखना। इसके लिए इंप्रेसिव-सोबर और कंफर्टेबल ड्रेस पहनें, जिनमें आप खुद को सहज महसूस कर सकें और ऑकेजन के मुताबिक एसेसरीज भी कैरी करें। यकीन मानिए, जब आप अच्छी दिखेंगी और खुद के बारे में अच्छा महसूस करेंगी तो आपको संकोच या शर्म से उबरने में आसानी होगी।

अपना फ्रेंड सर्किल बनाएं

आस-पड़ोस की महिलाओं, सहकर्मियों आदि से फ्रेंड सर्किल बनाएं। उनके साथ गपशप करें। शॉपिंग, बॉलीवुड, फैशन, खेल, पैरेंटिंग आदि विभिन्न विषयों पर बातचीत करने से ना सिर्फ आपकी जानकारी का दायरा बढ़ेगा बल्कि हिचक भी दूर होगी। *

योगोपचार / दिव्यज्योति 'नंदन'

आमतौर पर माना जाता है कि योगासनों का अभ्यास अनेक रोगों से बचाव और उपचार में कारगर है। जबकि ये हमें फिट और आकर्षक भी बनाते हैं। यहां आपको तीन ऐसे आसनों के बारे में बता रहे हैं, जिनके नियमित अभ्यास से ब्रेस्ट को शेप देने में मदद मिलती है।

ब्रेस्ट को शेप देने में हेल्पफुल 3 कारगर योगासन

इस वर्चुअल मार्केटिंग के दौर में ब्रेस्ट का साइज बढ़ाने और उन्हें आकर्षक शेप देने के लिए सोशल मीडिया में विज्ञापनों की भरमार है। लेकिन इनके भंवरजाल में ना फंसना ही समझदारी है। इसके बजाय कुछ योगासन करने से ब्रेस्ट को शेप देने में मदद मिलती है। लेकिन ये सभी आसन किसी अनुभवी योग विशेषज्ञ से अच्छी तरह सीखने के बाद ही अभ्यास करें।

चक्रासन

चक्रासन का नियमित अभ्यास ब्रेस्ट को सही शेप देता है। आप जब चक्रासन करेंगी तो आपको ब्रेस्ट एरिया के पास मसल्स में खिंचाव महसूस होगा। वास्तव में यही खिंचाव इसकी ग्रोथ में मदद करता है और शरीर में अपर बॉडी की तरफ ब्लड का सर्कुलेशन बेहतर होता है। अगर हर दिन सुबह या शाम पांच से छह बार चक्रासन का अभ्यास किया जाए तो इससे ब्रेस्ट को सही-आकर्षक शेप हासिल करने में मदद मिलती है।

विधि : चक्रासन या व्हील पोज करने के लिए एक साफ-शांत जगह पर योगा मैट बिछाकर कुछ देर तक रिलैक्स करें। इसके बाद पीठ के बल सीधी लेट जाएं। अब 4 से 6 लंबी और गहरी सांसें लें। उसके बाद अपने दोनों घुटनों को मोड़ें और एड़ियों को कूल्हों के पास लाएं। अब अपने दोनों हाथ ऊपर उठाकर उनकी कोहनियों को मोड़ लें और हथेलियों को कंधे के ऊपर जमीन पर रख दें। फिर लंबी-लंबी सांस लें और धीरे-धीरे शरीर के बीच के हिस्से को ऊपर उठाएं। जबकि इस दौरान आपकी नजर दोनों हाथों के बीच एक जगह पर केंद्रित हो। अगर दिक्कत महसूस ना हो तो 8 से 10 सेकेंड तक इस स्थिति में रहें। अगर परेशानी महसूस हो तो उसके पहले ही सामान्य स्थिति में आ जाएं। कम से कम दो-तीन बार यह आसन करें।

फायदे : यह आसन नितंब, पेट, छाती, कमर और बाजुओं की मांसपेशियों पर दबाव डालता है, जिससे ये मजबूत होती हैं। लगातार चक्रासन करने से इन सभी अंगों में किसी प्रकार का दर्द नहीं होता। यह फेफड़ों और बालों के लिए भी शानदार योगासन है।

भुजंगासन

भुजंगासन भी ब्रेस्ट को शेप देने के मामले में बहुत मददगार आसन है। इस आसन में सिर्फ ऊपरी बॉडी को हाथों का सहारा लेते हुए उठाना है। इसे भी कम से कम 5 से 7 बार करना चाहिए। भुजंगासन हमेशा खाली पेट या कम से कम 4 से 6 घंटे पहले खाना खाया हो, तब करना चाहिए। इसे 15 से 30 सेकेंड से ज्यादा नहीं करना चाहिए, इसे बार-बार दोहराना नहीं चाहिए।

विधि : इसे करने के लिए सबसे पहले योगा मैट पर पेट के बल लेट जाएं, अपनी दोनों हथेलियों को जांघों के पास जमीन की तरफ रखें। इस दौरान यह सुनिश्चित करें कि आपके टखने एक-दूसरे को छू रहे हों। अब शरीर का वजन अपनी हथेलियों पर डालें, सांस भीतर खींचें और अपने सिर को उठाकर पीठ की तरफ धकेलें। लेकिन इस दौरान आपकी कोहनी मुड़ी हुई होनी चाहिए। अब सिर को पीछे की तरफ खींचते हुए ब्रेस्ट को आगे की तरफ निकालें और सिर को सांप के फन की तरह तानें और हां, इस दौरान आपके कंधे कानों से दूर होने चाहिए। अब हिप्स, जांघों और पैरों से फर्श की तरफ दबाव बनाएं। इस स्थिति में अधिकतम 30 सेकेंड तक रहें। इस दौरान ऐसा महसूस करें कि आपका पेट फर्श की तरफ दब रहा है। अगर बहुत अच्छा अभ्यास हो तो इसे दो मिनट तक भी बढ़ा सकते हैं। अगर सिरदर्द हो, पीठ में किसी तरह की चोट हो, पेट के हिस्से में सर्जरी हुई हो, तो यह आसन ना करें।

फायदे: ब्रेस्ट को सही शेप देने के अलावा भुजंगासन रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है। छाती, फेफड़ों, कंधों और पेट की मांसपेशियों को फ्लैग्जिबल बनाता है। तनाव और थकान को दूर करने में मदद करता है।

धनुरासन

धनुरासन से भी ब्रेस्ट एरिया की ओर ब्लड फ्लो बढ़ता है। ब्रेस्ट की मसल्स मजबूत होती हैं।

विधि: धनुरासन या बो पोज के लिए योगा मैट पर पेट के बल लेट जाएं। सांस छोड़ते हुए घुटनों को मोड़ें और अपने हाथों से टखनों को पकड़ लें। अब सांस लेते हुए अपने सिर, पेट और जांघों को ऊपर की ओर उठाएं। इस दौरान शरीर के भार को पेट के निचले हिस्से पर डालने की कोशिश करें। धीरे-धीरे सांस लें और धीरे-धीरे छोड़ें। मूल स्थिति में आने से पहले कम से कम एक या दो बार अपने शरीर को उठाएं और पैरों के बीच की जगह को कम करने की कोशिश करें। कम से कम तीन से पांच बार इसे करें।

फायदे : यह आसन सिर्फ ब्रेस्ट को शेप ही नहीं देता, अनावश्यक मोटापे को भी काबू में रखता है। अस्थमा के मरीजों को बहुत राहत देता है। कब्ज दूर करता है। स्लिप डिस्क से राहत पहुंचाता है और थाइरॉयड जैसी बीमारियों में भी मददगार है। लेकिन जिनकी कमर में दर्द रहता हो, वे इस आसन को नहीं करें। *

जनपद भर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 मई को

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ से प्राप्त निदेशों के अनुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय, गाजीपुर, वाद्य न्यायालय सैदपुर एवं मुहम्मदाबाद व ग्राम न्यायालय जखनियां के साथ-साथ अन्य सरकारी प्रतिष्ठानों में दिनांक 13 मई 23 को किया जाएगा। इस जानकारी के बारे में कामायनी दूबे, पूर्णकालिक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर के द्वारा अवगत कराया गया कि पूर्व की भांति माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निर्देशित प्रकरण यथा उत्तराधिकार प्रमाण पत्र संबंधी, छोटे व लघु दाण्डिक वाद, पारिवारिक वाद, धारा-138 एन.आई.एक्ट, स्टाम्प वाद या पंजीयन वाद, मोटर अधिनियम वाद, चकबंदी वाद, श्रम वाद, उपभोक्ता फोरम वाद, वाट-माप प्रचलन अधिनियम वाद, कराधान प्रकरण, बिजली चोरी के वाद, सुलह समझौता एवं मध्यस्थता के माध्यम से वैवाहिक विवाद को परिपक्व कराकर आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में पूर्व की तुलना में

ज्यादा से ज्यादा वादों का निस्तारण कर, आमजन को लाभान्वित करते हुए, राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। उक्त के अनुपालन में आज एक आवश्यक बैठक जनपद न्यायालय, गाजीपुर के दसकक्षीय सभागार में अपराह्न 01:30 बजे आयोजित की गयी। जिसमें कामायनी दूबे, पूर्णकालिक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजीपुर, सौरभ कुमार श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड गाजीपुर, स्वप्नील बारिस्कर लॉ आफिसर, यूनियन बैंक आफ इण्डिया मुख्य शाखा, महुआबाग, गाजीपुर, अभिनव चित्रांशू लोन आफिसर पंजाब नेशनल बैंक विशेश्वरगंज गाजीपुर, दीपक गुप्ता, भारत संचार निगम लिमिटेड गाजीपुर, अजय कुमार मौर्य जिला सूचना विभाग गाजीपुर, न्यूज नेशन गाजीपुर, आलोक त्रिपाठी जी न्यूज गाजीपुर, अमरजीत राय जनादेश टुडे गाजीपुर व संजय, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया मिश्र बाजार गाजीपुर उपस्थित हुए। बैठक में दिनांक 13 मई 2023 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह समझौता के आधार पर बैंक ऋण सम्बन्धी एवं जनहित में प्रचार-प्रसार हेतु सोशल मीडिया, लोकल रेडियों चैनल व मीडिया चैनल तथा यू-ट्यूब के माध्यम से तथा दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित करने के लिए विशेष रूप से चर्चा की गई।

पत्रकार रिंकू श्रीवास्तव की मनाई गई तीसरी पुण्यतिथि

प्रखर खेतासराय जौनपुर। मंगलवार की दिवंगत पत्रकार सत्य प्रकाश 'रिंकू' श्रीवास्तव के तीसरी पुण्यतिथि पर याद करते हुए अखबार नवीसों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया गया।मूलरूप से क्षेत्र के फरीदपुर जैगहा गांव निवासी मीडिया क्षेत्र में काफी नाम कमाया था। कोरोना महामारी में इनका निधन हो गया था। इस दौरान उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र के एक मुकाम हासिल किये थे जो बेहद मिलनसार थे जो असमय जाना कष्टकारी है। वरिष्ठ पत्रकार अजीम सिद्दीकी ने कहा कि कंधा से कंधा मिलाकर चलने वाला साथी की कमी जीवनभर खलती रहेगी, यह हम पत्रकारों के लिए अपूर्णीय क्षति है जिसकी भरपाई नहीं कि जा सकती है। सभी ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान प्रमुख रूप से पत्रकार आनंद सिंह, यूसुफ खान, विवेक श्रीवास्तव, मोनू श्रीवास्तव, सुरेश कुमार,अहसान हैदर समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

मासिक सम्पूर्ण स्त्रीत्व की पहचान : प्रो0 सीमा त्रिपाठी

प्रखर कुशीनगर। किशोरावस्था के दौरान बच्चियां अनेकों शरीरिक और मानसिक परिवर्तन से गुजरती हैं और संकोच वश इस दौरान हो रही दिक्कतों को साझा नही कर पाती। इन परिवर्तनों के प्रति बच्चियों को जागरूक करने तथा तैयार रहने के उद्देश्य से नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा नपाप कुशीनगर के वीर सावरकर नगर स्थित संविलियन विद्यालय सबया में मंगलवार को बच्चियों के साथ "झिझक छोड़ो, खुलकर बोलो" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चियों को संबोधित करते हुए बुद्ध पीजी कॉलेज, कुशीनगर के शिक्षाशास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रो0 उर्मिला यादव ने कहा कि बच्चियों और महिलाओं की अधिकांश समस्याओं की शुरूआत उनकी चुप्पी और झिझक से होती है। झिझक के कारण बाहर की बात तो दूर घर के अंदर अपनों के बीच भी बच्चियां व महिलाएं अपनी बात खुलकर नही रखती। जबकि अब समाज बदल रहा है और महिलाओं के साथ है बशर्ते समस्या सामने आनी चाहिए। इसलिए बच्चियों कोई भी दिक्कत हो तो खुलकर बोलो और विद्यालय की शिक्षिकाओं सहित घर के बड़ों से पूछो। संस्था की अध्यक्ष और बुद्ध पीजी कॉलेज कुशीनगर में मनोविज्ञान की प्रोफेसर सीमा त्रिपाठी ने कहा कि किशोरावस्था में जो परिवर्तन आते हैं उनमें एक बड़ा परिवर्तन मासिक का आना है। मासिक आने पर बच्चियां और महिलायें शर्म और कभी कभी ग्लानि की भावना महसूस करने लगती हैं जबकि यह सम्पूर्ण स्त्रीत्व की पहचान है। मासिक का आना सृष्टि के सृजन का संकेत है। यह शरीर की पूर्णता को दशार्ता है। इसलिए कभी भी मासिक के दौरान स्वयं को हीन भावना से न जोड़े और कोई दिक्कत होने पर खुलकर बात करें।

भारी समर्थकों के बीच आप पार्टी से किया अमीर हमजा ने पर्चा दाखिल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मुहम्मदाबाद से अध्यक्ष पद के आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी समाजसेवी अमीर हमजा ने सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। नामांकन से पूर्व अमीर हमजा का काफिला उनके कार्यालय से नामांकन स्थल पहुंचा। इस मौके पर उनके साथ आप पार्टी के कई नेता, वरिष्ठ पदाधिकारी सहित कार्यकर्ता और भारी संख्या में आम जन मौजूद रहे। सोमवार को नामांकन प्रक्रिया के आखिरी दिन अमीर हमजा ने तहसील मुख्यालय पर पहुंचकर सक्षम अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन प्रक्रिया में उनके प्रस्तावक आप पार्टी के जिलाध्यक्ष विवेक राय और जियाउद्दीन खाँ रहे।

हमजा ने कहा कि नगर में पानी की समस्या, विकास, शिक्षा व रोजगार के मुद्दो को लेकर वें चुनाव लड़ रहे हैं। नगर में विकास और आम जन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण हो इसको लेकर जनता उन्हें वोट करेगी। जीतने के बाद वे नगर में विकास कार्यों को प्राथमिकता देंगे। अमीर हमजा ने कहा कि उनको नगर वासियों का आशीर्वाद प्राप्त है। कहा कि हम जनता के अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। इस दौरान आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष विवेक राय, जिला महासचिव वाजिद खाँ, पूर्व सभासद अनीस राइनी उर्फ लल्लू भाई, सभासद जलालुद्दीन खां 'लड्डू' सेराज, अलाउद्दीन, निजामुद्दीन, इम्तियाज, कई दिग्गज सभासद, दर्जनों की संख्या में समर्थक और आम जन मौजूद रहे।

डीएम पोर्टिको में एक अधिवक्ता द्वारा सांकेतिक धरना व क्रमिक अनशन

प्रखर दानगंज वाराणसी। दी सेंट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष राजा आनंद ज्योति सिंह पुत्र उमेश प्रताप सिंह ग्राम व पोस्ट बर्थरा कला थाना चौबेपुर जनपद वाराणसी का मूल निवासी हूँ प्रार्थी के साथ दिनांक 28/03/2023 को स्थान पुराना आरटीओ जनपद वाराणसी के समीप अंतर्गत थाना सारनाथ में गंभीर / प्राणघातक आपराधिक घटना कारित की गई थी। उक्त घटना अमित सिंह उर्फ टाटा के द्वारा कारित करायी गयी है घटना के संदर्भ में थाना सारनाथ जनपद वाराणसी में अपराध संख्या 134/23 अंतर्गत धारा 147/148/307/120इ /506 भारतीय दंड संहिता में पंजीकृत किया गया है उक्त घटना में अमित सिंह उर्फ टाटा के नामजद होने के बाद भी संबंधित पुलिस अधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है ना ही मुकदमे की सही स्थिति से प्रार्थी को अवगत कराया जा रहा है आज दिनांक तक सभी साक्ष्य होने के बावजूद कोई संतोषजनक कार्यवाही सारनाथ पुलिस द्वारा नहीं की गयी।प्रार्थी को पूर्ण आशंका है की थाना सारनाथ में उक्त मुकदमे के विवेचक समेत सम्बन्धित पुलिस कर्मी अभियुक्त के साथ साठगांठ कर पक्षपात पूर्ण कार्यवाही कर रहे हैं कई वरिष्ट पुलिस अधिकारियों द्वारा अमित सिंह उर्फ टाटा को संरक्षण प्राप्त है अमित सिंह उर्फ टाटा व अन्य अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी यदि पुलिस द्वारा 24 घंटे के मध्य नहीं करायी गई तो प्रार्थी द्वारा तय सीमा के बाद सांकेतिक धरना व क्रमिक अनशन प्रारम्भ किया जाएगा।अतः निवेदन है की मुकदमा अपराध संख्या 134/23 में नामित अभियुक्त की गिरफ्तारी 24 घंटे के मध्य करने की कृपा करे अन्यथा प्रार्थी सांकेतिक धरना व क्रमिक अनशन प्रारंभ करने को मजबूर होगा।

अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिरा बाईक सवार

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के अंतर्गत मई गांव पुल के पास बाइक सवार अपनी बाइक लेकर अनियंत्रित हो गया अनियंत्रित होते ही वह गड्ढे में जा गिरा, जिससे गंभीर रूप से गिरकर घायल हो गया और घायलावस्था ग्रामीणों द्वारा पहुंचाया गया अस्पताल आपको यह भी बता दे कि शीतलेस पुत्र रामचंद्र निवासी देवरपुर हदिशारामपुर थाना बरदह आजमगढ़ अपने घर से केराकत देवकली बाजार होते हुए मई गांव अपने मामा के घर जा रहा था की जैसे ही रास्ते में मई गांव के गोमती नदी पुल के पास पहुंचा बाइक अनियंत्रित हो गया जिसमें वह गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया जिसका इलाज केराकत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों द्वारा किया गया वही नाजुक हालत देख चिकित्सकों द्वारा जिला अस्पताल रेफर कर किया गया। घायल व्यक्ति का ईलाज किया जा रहा है।

संदिग्ध परिस्थितियों में कासिमाबाद एसडीएम की मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। तहसील कासिमाबाद के एसडीएम वीर बहादुर यादव की सोमवार की रात में संदिग्ध परिस्थितियों में सरकारी आवास कासिमाबाद में मौत हो गयी। मंगलवार की सुबह जब कर्मचारियों ने दरवाजा खुलवाया और अंदर से प्रतिक्रिया न आने पर लोगों को शंका हुई। आनन-फानन में दरवाजा तोड़ा गया तो शव कमरे में बेड के ऊपर बड़ा मिला। उन लोगों ने मौके पर डॉक्टरों को बुलाया। डॉक्टर ने जांच करने के बाद एसडीएम को मृत घोषित कर दिया। इस घटना की खबर पूरे जिले में आग की तरह फैल गयी। सूचना पाते ही डीएम आर्यका अखौरी, एसपी ओमवीर सिंह समेत ढेर सारे अधिकारी मौके पर पहुंच गए तथा घटना के संदर्भ में जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि मौत कैसे हुई यह पोस्टमार्टम के बाद पता चल पायेगा। एसडीएम के अर्दली के अनुसार उन्होंने रात में 9 बजे बहादुरगंज नगर पंचायत क्षेत्र में निकाय चुनाव को लेकर रोड मार्च किया था। रात 11 बजे उन्होंने डीएम के साथ वर्चुअल मीटिंग की थी। उसके बाद रात 11:30 बजे खाना खाकर कुछ देर टहलने के बाद सोने चले गए उस समय उन्होंने लोअर और टीशर्ट पहन रखा था। बताया जा रहा है कि 3 दिन पहले ही एसडीएम के परिवार के लोग उनसे मिलकर गए थे उनका परिवार लखनऊ गोमतीनगर में रहता है। उनका एक लड़का और एक लड़की है। बताया जा रहा है कि उन्होंने 2 महीने पहले ही बेटी का बर्थडे अपने सरकारी आवास पर मनाया था। उनका लड़का लखनऊ के प्राइवेट कॉलेज से वीए की पढ़ाई कर रहा है। एसडीएम वीर बहादुर सिंह शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने का अथक प्रयास किया। इसके अलावा भू-माफियाओं, अनैतिक एवं अवैध रुप से सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करायी। एसडीएम कासिमाबाद वीर बहादुर यादव मूलतः जौनपुर के रहने वाले हैं। उन्होने हरिशचंद्र डिग्री कालेज वाराणसी से स्नातक और इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर तथा लखनऊ विश्वविद्यालय से पीएसडी की डिग्री हासिल की थी। 2015 के बैच के पीसीएस अधिकारी वीर बहादुर सिंह इसके पहले बस्ती, हमीरपुर, गोंडा और कौशांबी में उप जिलाधिकारी के पद पर रह चुके है। हमीरपुर में उन्होने अवैध खनन माफियाओं के खिलाफ अभियान छेड़ रखा था। वह तेज-तर्रार छवि, कार्यो में पारदर्शिता के चलते बहुत जल्द ही लोकप्रिय हो गये थे।

सपा उम्मीदवारों को जिताने के लिए देर रात हुई बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार देर रात समाजवादी पार्टी की एक आवश्यक बैठक जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय समता भवन पर आयोजित हुई। इस बैठक में नगरपालिका परिषद गाजीपुरके चुनाव में अध्यक्ष एवं सभासद पद के घोषित उम्मीदवारों को चुनाव जीतने का मंत्र दिया गया और चुनाव जीतने की रणनीति भी बनाई गई। उम्मीदवारों को कठिन परिश्रम करने की नसीहत दी गयी। उन्हें सभी जाति और धर्म के लोगों के दरवाजे जाकर अपनी बात रखने की नसीहत दी गयी और कहा गया कि कोई दरवाजा छूटे न , सभी से नगर के हित में समाजवादी पार्टी को वोट देने की फरियाद करने की जरूरत है। सभी से पार्टी की रीतियों नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को और भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को जनता के बीच रखने का भी निर्देश दिया गया। इस बैठक को संबोधित करते हुए विधायक जै किशन साहू ने

कहा कि नगर पालिका चुनाव में हर कीमत पर पार्टी अपना परचम फहरायेगी । सभी की सभी सीटें जीतकर पार्टी ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए नगर पालिका के चुनाव में नया इतिहास बनाने का काम करेगी । उन्होंने कार्यकताओं से भाजपा के झूठ, उनके द्वारा फैलाये जा रहे अफवाहों और प्रोपोगंडा से सावधान रहने की नसीहत दिया। उन्होंने कहा यह बहुत चालाक लोग हैं। समाज में नफरत और घृणा फैलाना ही रहा है इनका मुख्य मकसद। उन्होंने कहा कि आज पूरा प्रदेश खौफ के साये में जी रहा है।नगर निकाय के चुनाव में इन्हें पराजित कर सबक सिखाने की जरूरत है।

जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने उम्मीदवारों को जीत का गुर सिखाते हुए कहा आपका व्यवहार और मृदुभाषिता चुनाव जीतने में काफी सहायक होगी । उन्होंने कहा नगर में बदलाव की बयार चल रही है जरूरत है जनता का विश्वास जीतने की । उन्होंने कहा परिवारवाद का विरोध करने वाली भाजपा ने सक्रिय कार्यकताओं को दरकिनार कर गाजीपुर नगर निकाय के हुए छः चुनाव में केवल दो परिवारों को ही मौका दिया है। उन्होंने कहा कि 25वर्षों में भाजपानीत नगरपालिका शहर की मूलभूत समस्याओं को हल नहीं कर सकी । सड़क,नाली, पानी और रोशनी की भी समूचित व्यवस्था नहीं कर पायी। उन्होंने कहा कि शहर में महापुरुषों की प्रतिमाएं अंधेरे में है । समाजवादी पार्टी के जीतने पर शहर का सर्वांगीण विकास होगा । अध्यक्ष पद के प्रत्याशी दिनेश यादव ने सभी से सहयोग और समर्थन की अपील किया। इस बैठक में मुख्य रूप से जिला मीडिया प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव, आमिर अली, डॉ समीर सिंह,गुड्डू यादव, दिनेश यादव, अशोक अग्रहरि, रामचन्द्र गुप्ता, अलका अग्रवाल, फिरोज जमाल,आरिफ खान, विभा पाल, कंचन रावत, नफीसा बेगम, नरेन्द्र कुशवाहा, अभिनव सिंह,गोपाल गुप्ता, प्रदीप पासवान, जुलैखा बेगम, मोहम्मद फिरोज, नवाब, गुंजन यादव, कुसुम देवी, नेहा यादव, मोहम्मद अनवर नाजिया परवीन, ओपी यादव, अखिलेश यादव, छन्नू यादव आदि उपस्थित थे।इस बैठक का संचालन सदर विधानसभा के अध्यक्ष तहसीन अहमद ने किया।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षा संकायाध्यक्ष नामित हुए प्रो. अजय कुमार दुबे

प्रखर जौनपुर। टी डी पी जी कॉलेज जौनपुर के शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.अजय कुमार दुबे को वी.ब.सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के कुलपति द्वारा वरिष्ठता क्रम में शिक्षा संकायाध्यक्ष नामित किए गए हैं। प्रोफेसर दुबे की शिक्षा- दीक्षा टी डी कॉलेज जौनपुर से ही हुई है। एम.एड. अध्ययनरत रहते हुए 1997 में आपने यूजीसी द्वारा आयोजित नेट जेआर एफ परीक्षा को उत्तीर्ण किया और इसके पश्चात 1998 से टी डी कॉलेज जौनपुर में शिक्षक शिक्षा विभाग में प्रोफेसर पद रूप में कार्यरत हैं। मूल निवासी नेवढ़िया क्षेत्र के रिकेबीपुर गांव के निवासी हैं और वर्तमान में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विद्यालय में रोवर रेंजर के जनपद संयोजक भी हैं। इससे पूर्व महाविद्यालय की परीक्षा समिति में सहायक केंद्राध्यक्ष, प्राक्टोरियल बोर्ड, रोवर्स रेंजर्स, क्रीड़ा परिषद सदस्य और महाविद्यालय कीवार्षिक पत्रिका 'मंथन के मुख्य संपादक के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं और देश-विदेश में आपके सैकड़ों रिसर्च पेपर और व्याख्यान विभिन्न सेमिनार और शैक्षिक संगोष्ठियों में प्रस्तुत करने के साथ ही साथ 7 पुस्तको का लेखन कार्य और आपके निर्देशन में 8 पी-एच. डी. शोधार्थियों ने शोध उपाधि प्राप्त किया है। जनपद के विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षिक संस्थाओं में आप सक्रिय रूप से जुड़े होने के साथ ही साथ अखिल

भारतीय विद्यार्थी परिषद के कई वर्षों तक जिला प्रमुख और प्रान्त उपाध्यक्ष के दायित्व का भी निर्वहन कर चुके हैं। आपके पूर्वांचल विश्वविद्यालय शिक्षा संकायाध्यक्ष नामित किये जाने पर शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर विनय कुमार सिंह, प्रो. जयप्रकाश सिंह,डॉ. वंदना शुक्ला, प्रो.रीता सिंह,प्रो.श्रद्धा सिंह,डॉ.अरविंद कुमार सिंह, डॉ गीता सिंह,डॉ. सुलेखा सिंह, डॉ सीमांत राय, डॉ. वैभव सिंह आदि ने हार्दिक प्रसन्नता और बधाई व्यक्त किया है।

संक्षिप्त खबरें

थानागद्दी में विद्युत उपखंड कार्यालय की शुरूआत

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। थानागद्दी बाजार में बम्मवन गाव गेट के पास सोमवार को बिजली विभाग के नए कार्यालय की शुरूवात हुई। बीते जुलाई माह में ही थानागद्दी क्षेत्र को नए विद्युत उपखंड में बाटा गया था। लेकिन अभी तक विभाग के स्थाई कार्यलय की शुरवात नही हो पाई थी। मंगलवार को नया कार्यालय भवन का उद्घाटन विद्युत विभाग के एसडीओ ने फीता काटकर किया। मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए एसडीओ मनीष सिंह ने कहा कि नए कार्यालय के होने से क्षेत्र के उपभोक्ताओं व ग्रामीणों को बिजली से संबंधित समस्यायों की जानकारी देने के लिए सहूलियत होगी। लोग आसानी से आकर बिजली बकाया जमा और बिजली से संबंधित कार्यो का निष्पादन कर सकेगे।

समस्त थाना प्रभारी को अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोलने के लिए किया गया निर्देशित

प्रखर जौनपुर। पुलिस अधीक्षक की अभ्यस्त अपराधियों के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही की गई है। पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारी को अपने.अपने थाना क्षेत्र के शातिर अपराधियों के अपराध का विश्लेषण कर उनके कृत्यो पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए हिस्ट्रीशीट खोलने के लिए निर्देशित किया गया है। 17 अप्रेल को पूर्व में पेशेवर चोर, हत्यारा, रंगदारी, लूटेरा, शराब तस्कर, मादक द्रव्य व गौकशी से सम्बन्धित पांच अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली गई। नेवढिया, मुगराबादशाहपुर, तेजीबाजार, खेतासराय व थाना गौराबादशाहपुर के पांच शातिर अपराधियों को चिन्हित कर उनकी हिस्ट्रीशीट खोली गई है। अपराधियों के नाम अमन जायसवाल पुत्र फूलचन्द जायसवाल निवासी तरनी थाना नेवढिया, सहाबु उर्फ सहाबुददीन पुत्र सद्दीक निवासी भीखपुर थाना मुंगराबादशाहपुर, अन्तिम सिंह पुत्र स्व0 सत्य नरायण सिंह निवासी मैनुद्दीनपुर थाना तेजीबाजार, नाशीर पुत्र स्व0 तुफैल निवासी लखमापुर थाना खेतासराय, सूर्यप्रताप उर्फ सत्यप्रकाश राय उर्फ गोलू राय पुत्र स्व0 सन्तोष राय निवासी कबीरूद्दीनपुर थाना गौराबादशाहपुर बताया गया है।

थाना प्रभारी ने बैंक शाखाओं का किया निरीक्षण

प्रखर सरकी जौनपुर। कोतवाली थाना प्रभारी आदेश त्यागी ने सोमवार को कस्बा क्षेत्र के स्टेट बैंक, यूनियन बैंक, एलआईसी सहित अनेक बैंको का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बैंक में लगे सायरन, सीसी टीवी कैमरे तथा वहां तैनात गार्डो के गन की जांच की। अधिकांश बैंको में हूटर सही मिला। लेकिन स्टेट बैंक के दो गार्डो में एक गार्ड गामा यादव की गन फेल मिली। थाना प्रभारी के सामने गामा यादव न तो गन खोल पाए न कारतूस ही लोड कर पाए। जबकि दूसरे गार्ड पंचरत्न चौबे का गन ठीक मिला लेकिन कारतूस का रख रखाव ठीक नहीं था। जिस पर उन्हें समुचित रख रखाव का सुझाव दिया।

जिला अस्पताल में तथा कथित पत्रकारों का निरंतर जमा हुआ है डेरा

प्रखर जौनपुर। जिले का अमर शहीद उमानाथ सिंह जिला चिकित्सालय में तथाकथित पत्रकारों का है कब्जा, रातों दिन लगाए रहते है डेरा, बताते चलें कि सुबह होते ही ऐसे तथाकथित माइक, आईडी लेकर जिला अस्पताल पहुंच जाते हैं और मरीजों को बहला फुसलाकर निजी अस्पताल पहुंचा कर कमीशन के रूप में मोटी रकम पा जाते हैं। आश्चर्य तो तब हुआ जब एक तथाकथित पत्रकार जिला अस्पताल के 1 नम्बर इमरजेंसी में पहुंचकर ड्युटी पर तैनात ईएमओ इंचार्ज, चीफ फार्मासिस्ट, वार्ड ब्वाय की मौजूदगी में बिना मरीज के रहे ट्रामा सेन्टर भेजने के नाम पर मुहर लगवाने के लिए जिला अस्पताल पहुंचा। अस्पताल में मौजूद स्वास्थ्य कर्मी द्वारा मोहर लगाने से मना करने पर तथाकथित पत्रकार द्वारा खुद मोहर लगाते वीडियो में दिया दिखाई। बड़े शान से वह तथाकथित पत्रकार मोहर लगा कर अस्पताल से चलता बना। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से हो रहा हैं वायरल। इस पूरे में प्रकरण में

कही ना कही जिला चिकित्सालय 1 नम्बर एमरजेंसी में तैनात ईएमओ से लेकर चीफ फार्मासिस्ट व वार्ड ब्वाय द्वारा घोर लापरवाही दिखाई देती नजर आयी हैं। ऐसे गंभीर मामलों को देखते हुए जिला प्रशासन के उच्चाधिकारियों से लेकर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री को कठोर एवं दंडात्मक कार्रवाई करने की आवश्यकता है। यदि ऐसा नहीं हुआ तो किसी भी सरकारी विभागों में तथाकथित घुसकर किसी भी कागज पर खुद से मोहर मारकर गलत कामो. को अंजाम देते रहेंगे जिस पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं